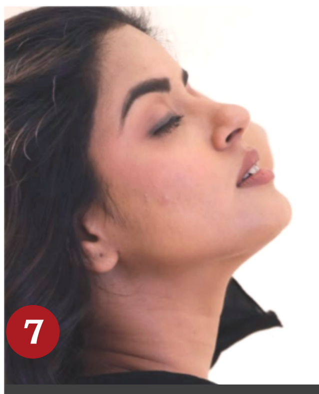

7

दी नेक्स्ट पोस्ट

साप्ताहिक

3 बीआरडी मेडिकल कालेज की छात्रा चढ़ गई पांचवे मंजिल पर

5 आजम खां की मुश्किलें बरकरार...

8 वेस्टइंडीज सीरीज के लिए भारतीय टीम का एलान

UPHIN/2023/90814 | वर्ष: 03, अंक: 14 | पृष्ठ संख्या: 8 | मूल्य: 1.00 रु. | सोमवार 29 सितम्बर,2025

बरेली बवाल में बड़ा खुलासा

नाबालिगों को ढाल बनाकर खुराफातियों ने पुलिस पर बरसाए पत्थर

बरेली,संवाददाता। बरेली हिंसा में बड़ा खुलासा हुआ है। खुराफातियों ने नाबालिग लड़कों को ढाल बनाकर पुलिस पर पत्थर बरसाए थे। जिसके बाद माहौल बिगड़ता चला गया। पथराव के बाद ही पुलिस ने आंसू गैस के गोले दागे और लाठीचार्ज किया। मौलाना तौकीर के बुलावे पर जुटी भीड़ ने नाबालिगों को आगे कर अपने मंसूबों को अंजाम दिया।
इस्लामिया मैदान पहुंचने की होड़ में भीड़ अफसरों और फोर्स की मौजूदगी में ही अराजकता पर उतारू हो गई। नावल्टी तिराहे के पास पुलिस अफसरों पर पथराव शुरू कर दिया। तब पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़े। लाठीचार्ज कर भीड़ को खदेड़ा।
नौमहला मस्जिद से रजा मस्जिद के बीच मौलाना तौकीर की सक्रियता वाले

इलाके में शुक्रवार दोपहर 12 बजे से पुलिस टीम ने मोर्चा संभाल लिया था। इस इलाके की मस्जिदों में नमाज का वक्त आमतौर पर एक से तीन बजे तक रहता है। मौलाना इस दौरान दिखाई नहीं दिए। उनके समर्थक सुबह का उनका वीडियो देखकर दोपहर करीब एक बजे नमाज के लिए नौमहला मस्जिद की ओर जाने लगे। आमतौर पर मौलाना इसी मस्जिद में नमाज पढ़ते हैं।
नौमहला मस्जिद गेट पर खड़े एसपी यातायात अकमल खान ने लोगों को घर लौटने के लिए कहा। इस पर कुछ लोग लौट गए, लेकिन कुछ किशोर और नौजवान मौलाना को बुलाने की मांग करने लगे।

नाबालिगों को आगे कर लब्बैक और आई लव मोहम्मद के लगे नारे

यहां मौजूद डीआईजी अजय साहनी ने उन्हें समझाने की कोशिश की। एक बार भीड़ वहां से लौट भी गई, लेकिन दोबारा नाबालिगों को आगे कर लब्बैक और आई लव मोहम्मद के नारे लगाने लगे। कई ने डीआईजी व एसपी सिटी की मौजूदगी में हूटिंग भी की। तब पुलिस ने लाठियां फटकारकर उन्हें खदेड़ दिया।

प्रदेश के लोगों को दिवाली के दो तोहफे

अक्तूबर में कम आएगा बिजली का बिल, इन्हें मिलेगा गैस सिलिंडर

लखनऊ,संवाददाता। यूपी के लोगों को दिवाली में दो तोहफे मिलेंगे। अक्तूबर के महीने में प्रदेश वासियों का बिजली का बिल कम आएगा। साथ ही उज्ज्वला लाभार्थियों को गैस सिलिंडर मिलेगा। बिजली उपभोक्ताओं को अक्तूबर माह में बड़ी राहत मिलने जा रही है। जुलाई 2025 का ईंधन अधिभार शुल्क अक्तूबर में वसूला जाएगा, जो करीब 1.63 फीसदी कम होगा। इससे उपभोक्ताओं पर लगभग 113.54 करोड़ रुपये का आर्थिक भार कम होगा। प्रदेश में हर माह ईंधन अधिभार शुल्क तय होता है। ऐसे में जून 2025 का ईंधन अधिभार शुल्क 2.34 फीसदी सितंबर में वसूला जा रहा है। इसे जमा करने की अंतिम तिथि 30 सितंबर है। जबकि जुलाई का शुल्क अक्तूबर में वसूला जाएगा।

एमपी शिक्षा परिषद के अध्यक्ष व पूर्व कुलपति प्रो यूपी सिंह का निधन सीएम योगी ने जताया शोक

गोरखपुर,संवाददाता। मूल रूप से गाजीपुर जिले के निवासी प्रो. यूपी सिंह उन विरले लोगों में शामिल रहे, जिन्हें गोरक्षपीठ के लगातार तीन पीठाधीश्वरों के सानिध्य में कार्य करने का अवसर प्राप्त हुआ। गणित विषय के विद्वान रहे स्वर्गीय सिंह की बतौर शिक्षक पहली नियुक्ति गोरक्षपीठ के तत्कालीन पीठाधीश्वर महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज ने एमपी शिक्षा परिषद के महाराणा प्रताप महाविद्यालय में की थी। महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के अध्यक्ष, पूर्वांचल विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. उदय प्रताप सिंह (यूपी सिंह) का शनिवार सुबह निधन हो गया। 92 वर्षीय प्रो. सिंह पिछले कुछ महीनों से अस्वस्थ चल रहे थे।
अध्यापन कार्य में आने के बाद से ही उनका पूरा जीवन गोरक्षपीठ और महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद को समर्पित रहा। प्रो. सिंह अपने पीछे दो पुत्रों दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. वीके सिंह और यूपी कॉलेज के आचार्य प्रो. राजीव कृष्ण सिंह का परिवार छोड़ गए हैं। मूल रूप से गाजीपुर जिले के निवासी प्रो. यूपी सिंह उन विरले लोगों में शामिल रहे जिन्हें गोरक्षपीठ के लगातार तीन पीठाधीश्वरों के सानिध्य में कार्य करने का अवसर प्राप्त हुआ। गणित विषय के विद्वान रहे स्वर्गीय सिंह की बतौर शिक्षक पहली नियुक्ति गोरक्षपीठ के तत्कालीन पीठाधीश्वर महंत दिग्विजयनाथ ने एमपी शिक्षा परिषद के महाराणा प्रताप महाविद्यालय में की थी।
गोरखपुर विश्वविद्यालय की स्थापना के लिए तत्कालीन पीठाधीश्वर ने यह महाविद्यालय दान में दे दिया तब यूपी सिंह विश्वविद्यालय में गणित के शिक्षक हो गए। अपने शैक्षिक सेवा यात्रा में उन्होंने बाद में पूर्वांचल विश्वविद्यालय जौनपुर के कुलपति के रूप में भी सेवाएं दीं।
महंत दिग्विजयनाथ के स्मृतिशेष होने के बाद प्रो. यूपी सिंह ने गोरक्षपीठाधीश्वर महंत अवेद्यनाथ के मार्गदर्शन में एमपी शिक्षा परिषद की सेवा की। उनकी सेवा साधना का यह अनुष्ठान वर्तमान गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी

आदित्यनाथ के सानिध्य में आजीवन जारी रहा। प्रो. यूपी सिंह को विद्वता, कर्मठता के साथ उनके सांगठनिक कौशल के लिए भी याद किया जाएगा। वह डॉ. भोलेन्द्र सिंह के बाद वर्ष 2018 में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के अध्यक्ष बनाए गए और अंतिम सांस लेने तक इस पद पर बने रहे। पिछले कुछ महीनों से अस्वस्थ होने के बावजूद वह शिक्षा परिषद के कार्य दायित्व के निष्पादन और अध्ययन में व्यस्त रहते थे। शिक्षा परिषद द्वारा 2021 में जब महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर की स्थापना की गई तो उन्हें इसका प्रति कुलाधिपति बनाया गया। प्रो. यूपी सिंह ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांत संघचालक और विद्या भारती में भी विविध पद दायित्वों का सकुशल निर्वहन किया।

राजघाट पर होगा अंतिम संस्कार, सीएम योगी रहेंगे मौजूद

प्रो. यूपी सिंह का अंतिम संस्कार रविवार (28 सितंबर) को पावन राप्ती नदी के राजघाट पर दिन में 12 बजे से होगा। इस अवसर पर गोरक्षपीठाधीश्वर व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी प्रो सिंह को अंतिम विदाई देने के लिए उपस्थित रहेंगे।

आजमगढ़ में खौफनाक वारदात

सात साल के बालक का शव बोरे में भरकर गेट पर टांगा, पांच थानों की पुलिस- पीएसी मौके पर

आजमगढ़ ,संवाददाता। आजमगढ़ जिले में दिल दहलाने वाली घटना सामने आई है। यहां एक साल सात बच्चा एक दिन पहले लापता हुआ, वहीं बृहस्पतिवार को उसका शव बोरे में भरकर पास के घर के गेट पर टांगा हुआ मिला। घटना से नाराज लोगों ने सड़क जाम कर प्रदर्शन शुरू कर दिया। आजमगढ़ जिले के सिधारी थाना क्षेत्र में हाइडिल चौराहे के समीप एक दिन पूर्व लापता एक सात वर्षीय बालक का शव बगल के घर के गेट के पास तार पर बोरे में लटकता मिला। घटनास्थल पर भारी भीड़ जुट गई और लोग जाम लगाकर विरोध प्रदर्शन करने लगे। घटना की जानकारी मिलते ही भारी पुलिस फोर्स और पीएसी भी पहुंच गई। परिजनों को समझा कर मामले को शांत कराया। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया।

क्या है पूरा मामला

जानकारी मुताबिक सिधारी थाना क्षेत्र के पठान टोला निवासी मुकर्रम अली का सात वर्षीय पुत्र शाजेब अली बुधवार की शाम घर से निकला और लापता हो गया। परिजनों ने इसकी सूचना रात करीब सात बजे सिधारी थाने पर सूचना दी। पुलिस बालक की तलाश में जुटी थी। बृहस्पतिवार को दिन में करीब 11 बजे शाजेब अली का शव उसके घर के बगल में लगे गेट के ऊपर तार में बोरे में लटकता मिला। बताया जा रहा है कि परिजन लगातार उसकी तलाश में जुटे थे ।

बीएसए-प्रिंसिपल विवादः योगी सरकार के मंत्री आए शिक्षक के समर्थन में

लखनऊ,संवाददाता। सीतापुर के चर्चित बीएसए-प्रिंसिपल विवाद के बीच योगी सरकार के मंत्री आशीष पटेल प्रिंसिपल के पक्ष में खड़े दिख रहे हैं। प्राथमिक विद्यालय नदवा मामले में प्राविधिक शिक्षा मंत्री आशीष पटेल का पोस्ट वायरल हो रहा है। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा है कि सीतापुर का शिक्षक प्रकरण बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है। शिक्षक को इस हद तक

प्रताड़ित किया गया कि उन्होंने अपना आपा खो दिया। मात्र 20 सेकेंड की वीडियो क्लिप के आधार पर शिक्षक को एकतरफा दोषी ठहरा देना उचित नहीं है। बीएसए ऑफिस में प्रवेश करने से लेकर अंत तक की सारी सीसीटीवी फुटेज के अवलोकन के आधार पर ही जो भी दोषी हो, उस पर कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह से वार्ता की बात भी लिखी है। घटना की निष्पक्ष जांच की बात कही है।

महानिदेशक से मिलेंगे शिक्षक

उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ एकजुट ने बीएसए की पीटने वाले शिक्षक के मामले में निष्पक्ष जांच की मांग की है। प्रदेश अध्यक्ष सोहन लाल वर्मा की अगुवाई में शुक्रवार को कलेक्ट्रेट परिसर पहुंचकर ज्ञापन दिया।कहा कि सोशल मीडिया पर वायरल ऑडियो को सुनकर लगता है कि शिक्षक को बीएसए की ओर से प्रताड़ित किया जा रहा था। इसलिए इस मामले की निष्पक्ष जांच करवाई जाए। महानिदेशक से मिलकर बीएसए के खिलाफ कार्रवाई की मांग करेंगे। कई शिक्षक मौजूद रहे।

एक और भर्ती में फर्जीवाड़े का खुलासा

विज्ञापन में किया खेल, एक पिता के चार बेटे बन गए एलटी... अफसर हैरान

लखनऊ,संवाददाता। यूपी में एक्सरे टेक्नीशियन के बाद अब लैब टेक्नीशियन भर्ती में फर्जीवाड़े का खुलासा हुआ है। एक ही पिता की चार संतानों को एलटी बना दिया गया। यह फर्जीवाड़ा 2007 में हुई भर्ती में हुआ है। इसकी रिपोर्ट शासन को भेजी गई है।
उत्तर प्रदेश में स्वास्थ्य विभाग में एक्सरे टेक्नीशियन के बाद अब लैब टेक्नीशियन (एलटी) की भर्ती में भी भ्रष्टाचार का मामला सामने आया है। एक पिता की तीन से चार संतानों को लैब टेक्नीशियन बना दिया गया है। कई लोगों के पते भी समान हैं। मामले की जांच रिपोर्ट 17 सितंबर को शासन को भेजी गई है।
स्वास्थ्य विभाग में 2007 में 572 लैब टेक्नीशियन की भर्ती की गई। इनमें 35 चयनितों में कई परिवारों के एक से अधिक लोगों का चयन किया गया। इनके रोल नंबर भी एक साथ हैं। चयनित लैब टेक्नीशियनों के पिता का नाम, पता और अन्य विवरण संदेहास्पद हैं।

सम्पादकीय

जीएसटी सुधार से स्वदेशी तक

बहरहाल, जीएसटी में निर्णय की जो औपचारिक व्यवस्था है, जिसमें जीएसटी परिषद के माध्यम से राज्यों को निर्णय प्रक्रिया में शामिल करने की खाना–पूर्ति ही की जाती है और उसके हिसाब से प्रधानमंत्री को ऐसी घोषणा करने कोई अधिकार ही नहीं था, जब तब तक जीएसटी परिषद विचार के बाद ऐसे निर्णय पर नहीं पहुंचती। बहरहाल, जीएसटी की व्यवस्था में राज्यों को बराबरी का भागीदारी बनाने के पाखंड का चोगा उतारते हुए, न सिर्फ प्रधानमंत्री द्वारा इकतरफा तरीके से इस साझा कर में इकतरफा बदलाव की घोषणा कर दी गयी, उसके बाद गुजरे दो–तीन हफ्तों में सीधे केंद्र सरकार के निर्देश पर, संबंधित बदलावों पर कथित रूप से विचार करने की खाना–पूर्ति कर के, अनुमोदन की मोहर भी लगा दी गयी। नरेंद्र मोदी और उनकी भाजपा तथा संघ परिवार ने एक बार फिर यह साबित किया है कि वे हिटलर के प्रचारमंत्री, गोयबल्स के इस सिद्धांत के पक्के अनुयाई हैं कि सौ बार झूठ बोलो और बड़ा झूठ बोलो, तो लोगों से कुछ भी सच मनवाया जा सकता है। इस बार यह जीएसटी में कथित ''सुधार'' या जीएसटी 2.0 के नाम पर किया जा रहा है। खुद प्रधानमंत्री मोदी राष्ट्र के नाम एक विशेष संबोधन करने के लिए आए, ताकि लोगों से यह मनवा सकें कि लगभग आठ साल जीएसटी के नाम पर, असमानतापूर्ण तरीके से आम लोगों के अंधाधुंध लूटे जाने के बाद, इस लूट का मामूली तरीके से कम किया जाना, आंशिक रूप से गलती का सुधार नहीं है बल्कि कोई बहुत बड़ी सौगात है जो मोदी सरकार लोगों को दे रही है, कोई कृपा है जो यह सरकार लोगों पर कर रही है। गोयबल्स की शिक्षा चूंकि बड़ा झूठ बोलने की थी, इसे जनता के लिए एक ''बचत उत्सव'' ही बताया जा रहा है, जिसमें प्रधानमंत्री के दावे के अनुसार ''सब का मुंह मीठा'' होने जा रहा है। और मोदी राज में चूंकि हरेक सरकारी निर्णय को हिंदुत्ववादी रंग में रंगा जाना ही नया नियम बना दिया गया है, इस कथित ''मिठाई'' को भी हिंदू त्योहारों के सीजन के साथ जोड़ दिया गया है, जिसके बांटे जाने की शुरूआत नवरात्रि से करने का विशेष ध्यान रखा गया है। बहुत से लोगों के मन में इस पर कई सवाल हैं कि प्रधानमंत्री को कथित ''बचत उत्सव'' की घोषणा करने के लिए खुद सामने आने और राष्ट्र के नाम संबोधन का सहारा लेने की क्या जरूरत थी? ये सवाल इसके बावजूद पूछे जा रहे हैं कि यह तो सभी जानते हैं कि प्रधानमंत्री मोदी, अपनी सरकार की मामूली से मामूली राहत का श्रेय, सीधे खुद ही लेना बहुत जरूरी समझते हैं। जो प्रधानमंत्री, नयी ट्रेनों को झंडी दिखाकर रवाना करने तक की लाइम लाइट किसी के साथ साझा नहीं करता हो, वह कथित रूप से 2 लाख करोड़ रु. सालाना से ज्यादा की कर राहत का श्रेय बटोरने के लिए राष्ट्र को संबोधित करने में संकोच कर रहा होता, तब ही हैरानी की बात होती। लेकिन, इस मामले में तो श्रेय का दावा नहीं करने या श्रेय किसी के साथ साझा करने का भी कोई सवाल नहीं था। ठीक सवा महीना पहले, लाल किले से अपने स्वतंत्रता दिवस संबोधन में प्रधानमंत्री प्रजा को यह सौगात मिलने और नवरात्रि से ही मिलने का बाकायदा और पर्याप्त विस्तार से एलान कर चुके थे, जिसे उसके बाद सूत्रों से आयी जानकारियों के जरिए प्रस्तावित ''जीएसटी सुधार'' के ब्यौरों के साथ बात आगे भी बढ़ाया जा चुका था। बहरहाल, जीएसटी में निर्णय की जो औपचारिक व्यवस्था है, जिसमें जीएसटी परिषद के माध्यम से राज्यों को निर्णय प्रक्रिया में शामिल करने की खाना–पूर्ति ही की जाती है और उसके हिसाब से प्रधानमंत्री को ऐसी घोषणा करने कोई अधिकार ही नहीं था, जब तब तक जीएसटी परिषद विचार के बाद ऐसे निर्णय पर नहीं पहुंचती। बहरहाल, जीएसटी की व्यवस्था में राज्यों को बराबरी का भागीदारी बनाने के पाखंड का चोगा उतारते हुए, न सिर्फ प्रधानमंत्री द्वारा इकतरफा तरीके से इस साझा कर में इकतरफा बदलाव की घोषणा कर दी गयी, उसके बाद गुजरे दो–तीन हफ्तों में सीधे केंद्र सरकार के निर्देश पर, संबंधित बदलावों पर कथित रूप से विचार करने की खाना–पूर्ति कर के, अनुमोदन की मोहर भी लगा दी गयी। और यह सब कथित रूप से सर्वसम्मति से हुआ क्योंकि 2017 में थोपी गयी जीएसटी की अंधाधुंध लूट में जो भी थोड़ी–बहुत कमी की जा रही थी, उसका विरोध तो कोई राजनीतिक पार्टी कर भी कैसे सकती थी। फिर भी 15 अगस्त की मूल घोषणा और 22 सितंबर से जीएसटी कर राहतों का लागू होना शुरू होने के बीच के करीब सवा महीने में ही, प्रधानमंत्री को दोबारा राष्ट्र को यह याद दिलाने की जरूरत पड़ गयी कि यह सौगात उन्हीं ने दी है। यह जितना अपने तीसरे कार्यकाल में नरेंद्र मोदी की राजनीतिक, जन–समर्थन के पहलू से असुरक्षा को दिखाता है, उतना ही गोयबल्स की सीख पर उनकी बढ़ती निर्भरता को दिखाता है। यह अकारण नहीं है कि एक प्रकार से समूचे उद्योग जगत से इस ''जीएसटी सुधार'' के लिए विज्ञापनों की भाषा में ''थैंक यू मोदी जी'' का जयगान कराने के बाद, अब भाजपा के तमाम सांसदों समेत, समूची भाजपा और जहां तक हो सके एनडीए को भी, पूरे हफ्ते भर के जीएसटी–प्रचार अभियान का टास्क सौंप दिया गया है। एक प्रकार से इसी प्रचार अभियान की शुरूआत खुद प्रधानमंत्री के राष्ट्र के नाम संबोधन से हुई है। लेकिन, जीएसटी रियायतों को प्रचार के जरिए फुलाकर, उनके वास्तविक आकार से कई गुना बड़ा करने की ये कोशिशें, खासतौर पर बाजार की पदयात्राओं के जरिए, जीएसटी की सबसे घातक मार झेलने वाले लघु तथा सूक्ष्म उद्योगों या एमएसएमई के घावों को कितना भर पाएंगी, कहना मुश्किल है।

विशेष गहन पुनरीक्षण: केरल चुनाव आयोग के एजंडे का विरोध करेगा

बिहार के बाद, केरल मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण का पहला राज्य होगा। उन्होंने उन आशंकाओं को भी दूर करने का प्रयास किया कि योग्य पात्र मतदाता सूची से छूट जाएंगे। उन्होंने कहा, 'हमें नहीं लगता कि एसआईआर केरल के किसी भी पात्र नागरिक को प्रभावित करेगा। एसआईआर पूरा होने पर मतदाता सूचियों से संबंधित शिकायतों का हमेशा के लिए निपटारा कर दिया जाएगा।' उन्होंने आगे कहा कि एसआईआर से मतदाता सूचियां 'अधिक स्वच्छ और स्वस्थ' बनेंगी। केरल ने राज्य में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के चुनाव आयोग के कदम का कड़ा विरोध करने का फैसला किया है। चुनाव आयोग के फैसले के विरोध में पहले कदम के रूप में, राज्य विधानसभा मतदाता सूचियों के संशोधन के खिलाफ सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित करेगी। एक दुर्लभ सर्वसम्मति के प्रदर्शन में, कांग्रेस के नेतृत्व वाला विपक्षी यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (यूडीएफ) सत्तारूढ़ वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) सरकार के चुनाव आयोग के कदम के खिलाफ प्रस्ताव पारित करने के फैसले का समर्थन करेगा। विपक्ष के नेता (एलओपी) वी. डी. सतीसन ने स्थानीय निकाय चुनावों और 2026 के विधानसभा चुनावों से ठीक पहले एसआईआर आयोजित करने के चुनाव आयोग के औचित्य पर सवाल उठाया। सतीसन ने बताया कि केरल ने 2001 की जनगणना पर आधारित मतदाता सूची के अनुसार मतदान किया था। चुनाव आयोग ने आगामी सूची में अपना नाम फिर से दर्ज कराने के इच्छुक मतदाताओं से जन्म और निवास प्रमाण पत्र सहित कई दस्तावेज़ प्रस्तुत करने की मांग की है। एलओपी ने आशंका व्यक्त की कि ऐसे दस्तावेज़ प्रस्तुत करने में कठिनाई का सामना कर रहे लाखों मतदाताओं के मताधिकार से वंचित होने का खतरा है। सतीसन ने यह भी बताया कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बड़े पैमाने पर संगठित और सुस्थापित डिजिटल मतदाता सूची धोखाधड़ी का पर्दाफाश किया है, जिससे चुनाव आयोग की ईमानदारी पर गंभीर चिंता पैदा हुई है। राज्य में एसआईआर के इस कदम की घोषणा करते हुए, केरल के मुख्य चुनाव अधिकारी, रतन यू. केलकर ने कहा कि उनका कार्यालय चुनाव आयोग से केरल के लिए एसआईआर कार्यक्रम की घोषणा का इंतज़ार कर रहा है, जो संभवतः अक्तूबर में होगी। उन्होंने कहा कि केरल कार्यालय इस प्रक्रिया की नींव रख रहा है और 2002 के गहन पुनरीक्षण के तहत तैयार की गई मतदाता सूचियों को, जो राज्य में पिछली बार हुई थी, सीईओ केरल की वेबसाइट पर अपलोड कर दिया है। केलकर ने यह भी कहा कि वह जल्द ही सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से मिलेंगे। बिहार के बाद, केरल मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण का पहला राज्य होगा। उन्होंने उन आशंकाओं को भी दूर करने का प्रयास किया कि योग्य पात्र मतदाता सूची से छूट जाएंगे। उन्होंने कहा, 'हमें नहीं लगता कि एसआईआर केरल के किसी भी पात्र नागरिक को प्रभावित करेगा। एसआईआर पूरा होने पर मतदाता सूचियों से संबंधित शिकायतों का हमेशा के लिए निपटारा कर दिया जाएगा।' उन्होंने आगे कहा कि एसआईआर से मतदाता सूचियां 'अधिक स्वच्छ और स्वस्थ' बनेंगी। केरल में मतदाता सूची में आखिरी संशोधन 2002 में किया गया था। तब से एसएसआर2025 के तहत मतदाताओं की संख्या 2.24 करोड़ से बढ़कर 2.78 करोड़ हो गई है। 2002 की मतदाता सूची में शामिल मतदाता स्वतः ही मसौदा एसआईआर सूची का हिस्सा बन जाएंगे। एसआईआर तीन श्रेणियों के मतदाताओं पर विचार करेगा– 1987 से पहले जन्मे, 1987 और 2004 के बीच जन्मे और 2004 के बाद जन्मे, नागरिकता अधिनियम में किए गए संशोधनों के अनुरूप। केलकर ने डाक मतपत्रों के वास्तविकता में बदलने की संभावना का भी संकेत दिया, क्योंकि चुनाव आयोग इसकी व्यवहार्यता पर सक्रिय रूप से विचार कर रहा है। केलकर ने बताया कि उनके कार्यालय ने राज्य में आगामी विधानसभा चुनावों के लिए इस सुविधा को शुरू करने का सुझाव दिया था। अधिकांश अनिवासी भारतीय (एनआरआई) मतदाता केरल से थे, जहां विशेष रूप से पश्चिम एशियाई देशों में एक बड़ा प्रवासी समुदाय रहता है। केलकर ने कहा कि वह विदेशी मतदाताओं के लिए डाक मतपत्र शुरू करने और उन्हें भारतीय दूतावासों के माध्यम से मतदाताओं को जारी करने की संभावना तलाश रहे हैं।

विदेश नीतियों में चुनौतियां

अमेरिका ने H&1B वीजा की फीस में अचानक 50 गुना इजाफा करने का जो फैसला किया है, उसकी मार सबसे ज्यादा भारतीयों पर ही पड़ने वाली है। लेकिन यह अपने आप में ऐसी कोई इकलौती घटना नहीं है। पिछले कुछ दिनों में ऐसी कई घटनाएं हुई जो भारतीय विदेश नीति के लिए चुनौती की तरह आई हैं। टैरिफ से वीजा तकः भारत से भेजे जाने वाले सामानों पर 50 फीसदी टैरिफ लगाने के जो भी तर्क दिए गए हों, सचाई यही है कि यह फैसला ट्रेड रिलेशन के ग्रामर में फिट नहीं बैठता। यह बात भी सही है कि न तो भारत रूस से सबसे ज्यादा तेल खरीदने वाला देश है और न ही उसके साथ व्यापार करने वाला इकलौता देश। बहरहाल, टैरिफ का मसला सुलझाने के लिए प्रयास भी दोनों तरफ से जारी हैं। लेकिन, जब इन प्रयासों के मद्देनजर ट्रेड डील पर कोई नतीजा निकलने की उम्मीद बढ़ रही थी, तब अचानक वीजा– फीस बढ़ाने का यह फैसला आ गया जिससे आम लोगों के स्तर पर द्विपक्षीय रिश्तों का व्याकरण गड़बड़ाता दिखने लगा।

रूस से ईरान तकः रूस पर दबाव बढ़ाने के बहाने भारत पर टैरिफ लादने का मामला अभी सुलझा भी नहीं कि ईरान पर दबाव बढ़ाने की जरूरत बताते हुए चाबहार पोर्ट तक हमारी पहुंच रोकने की कोशिश की गई। इस पोर्ट के इस्तेमाल को लेकर जो छूट हमें दी गई थी, उसे ट्रंप प्रशासन ने समाप्त कर दिया।

इस पोर्ट को विकसित करने में भारत अपना काफी संसाधन लगा चुका है।

पाक–यूएई समझौताः पिछले दिनों सऊदी अरब और पाकिस्तान के बीच हुआ सामरिक समझौता भी कम गंभीर मसला नहीं है। इस समझौते के मुताबिक सऊदी अरब और पाकिस्तान तय किया है कि किसी भी एक देश पर हुए हमले को दोनों देश अपने ऊपर हमला मानेंगे। हाल ही में हुए ऑपरेशन सिंदूर के संदर्भ में देखें तो भारत इस क्षेत्र में बन रहे इन नए समीकरणों की किसी भी रूप में अनदेखी नहीं कर सकता।

हितों पर चोट

अमेरिका ने ईरान के चाबहार बंदरगाह को प्रतिबंधों से छूट वापस ले ली है, जिससे भारत को बड़ा झटका लगा है। भारत ने इस पोर्ट में अरबों का निवेश किया है, जिसका रणनीतिक महत्व है क्योंकि यह पाकिस्तान को दरकिनार कर अफगानिस्तान और मध्य एशिया तक पहुंच प्रदान करता है।

अमेरिका ने ईरान के चाबहार बंदरगाह को प्रतिबंधों से दी गई छूट वापस ले ली है। ट्रंप प्रशासन ईरान पर अधिकतम दबाव बनाना चाहता है, लेकिन इससे भारत को भी बड़ा झटका लगेगा। 50 फीसदीटैरिफ के बाद अमेरिका का यह एक और कदम है, जिससे भारतीय हितों को चोट पहुंचेगी।

भारत का निवेशः ट्रंप ने दूसरी बार सत्ता संभालने के साथ ही चाबहार को मिली छूट खत्म करने के एग्जिक्यूटिव ऑर्डर पर साइन कर दिए थे। अब इसे 29 सितंबर से लागू करने का आदेश जारी हुआ है। इसके बाद अगर कोई कंपनी या संस्था चाबहार के संचालन में शामिल होती है, तो उस पर भी अमेरिकी प्रतिबंध लगाए जा सकते हैं। भारत इस पोर्ट पर अरबों रुपये का निवेश कर चुका है और यहां एक टर्मिनल बना रहा है। अमेरिकी प्रतिबंधों की वजह से उसके लिए यहां काम करना मुश्किल हो सकता है।

रूस जैसा मामलाः यह विडंबना है कि डॉनल्ड ट्रंप भारत और पीएम नरेंद्र मोदी को दोस्त बता रहे हैं, लेकिन उनकी नीतियां नई दिल्ली के खिलाफ जा रही हैं। चाबहार मामला बहुत कुछ रूसी तेल जैसा है। जब यूक्रेन युद्ध रोकने के लिए रूस पर अमेरिका दबाव नहीं बना पाया, तो उसने तेल के व्यापार पर दोष डालना शुरू कर दिया। यही कहानी ईरान के साथ है। पिछले दिनों इस्राइल–ईरान टकराव और उसमें अमेरिकी दखल के बावजूद तेहरान झुकने को तैयार नहीं हुआ था, तो अब मैक्सिमम प्रेशर की बात कही जा रही है।

पोर्ट का रणनीतिक महत्वः भारत के लिए चाबहार बंदरगाह की अहमियत व्यापार से अधिक रणनीतिक है। यह पोर्ट उसे पाकिस्तान को बाईपास कर सीधे अफगानिस्तान, मध्य एशिया तक पहुंच देता है।

साल 2023 में पहली बार उसने इस रूट का इस्तेमाल कर अफगानिस्तान को गेहूं भिजवाया था। चाबहार उस इंटरनैशनल नॉर्थ–साउथ ट्रांसपोर्ट कॉरिडोर का अहम हिस्सा है, जिसकी शुरुआत भारत, रूस और ईरान ने मिलकर की थी। सड़क और रेल नेटवर्क से जोड़ दिया जाए, तो यह कॉरिडोर सीधे यूरोप तक आसान, सस्ता और छोटा रास्ता देता है।

चीन का फायदाः चाबहार पर बैन भारत या ईरान नहीं, आगे चलकर अमेरिका पर भी असर डाल सकता है। इस पोर्ट को पाकिस्तान के ग्वादर बंदरगाह का जवाब माना जा रहा है, जो चीन के महत्वाकांक्षी ठत्प प्रॉजेक्ट का हिस्सा है। इस क्षेत्र से भारत हटा, तो सीधा फायदा चीन को होगा। वॉशिंगटन की वजह से पेइचिंग को रणनीतिक–व्यापारिक बढ़त मिल जाएगी। यह ट्रंप एडमिनिस्ट्रेशन की सबसे बड़ी खामी कही जाएगी कि विरोधियों पर पकड़ बनाने की उसकी हर कोशिश दोस्तों को नुकसान पहुंचाती है।

बीआरडी मेडिकल कालेज की छात्रा चढ़ गई पांचवे मंजिल पर

सुसाइड नोट में लिखा– 'मेरे साथ मेरी किस्मत खत्म

गोरखपुर,संवाददाता। शायद मुझे मरकर ही साबित करना होगा कि मेरे साथ गलत हुआ है। मुझे इस बात का अफसोस है कि मैं ये बात किसी से कह भी नहीं सकती। इसीलिए ये बातें लिख रही हूं। मेरे साथ मेरी किस्मत भी यहीं खत्म हो जाएगी। मेरे मरने के बाद दोस्तों को कुछ न कहा जाए। मैं अपनी मर्जी से जान दे रही हूं। मेरे शिक्षक, घरवाले और दोस्तों का इसमें कोई हाथ नहीं है...। बीआरडी मेडिकल कॉलेज परिसर स्थित नर्सिंग कॉलेज में पढ़ रही एक छात्रा ने सोमवार रात सुसाइड नोट लिखकर खुदकुशी की कोशिश की। बताया जा रहा है कि वह पिछले कुछ दिनों से तनाव में थी। सोमवार शाम छुट्टी को लेकर नाराज हो गई और इसके बाद बाल रोग विभाग के भवन की पांचवीं मंजिल पर चढ़ गई।

पांच घंटे की मशक्कत के बाद पुलिस ने उसे नीचे उतारा फिर पूछताछ के बाद कॉलेज प्रशासन को सौंप दिया। जानकारी के अनुसार, मेरठ जिले की रहने वाली छात्रा बीआरडी मेडिकल कॉलेज में बीएससी नर्सिंग की पढ़ाई करती है। सोमवार को सातवें सेमेस्टर की परीक्षा समाप्ति के बाद तीन अक्तूबर तक सार्वजनिक अवकाश की घोषणा की गई थी।

छुट्टी मिलने पर छात्रा ने घर जाने के लिए मंगलवार की सुबह की रेल टिकट बुक कराई थी। सोमवार शाम परीक्षा समाप्त होने के बाद वह घर जाने की स्वीकृति के लिए विभाग में प्रार्थना पत्र लेकर गई। चर्चा है कि उसे छुट्टी नहीं दी गई। इस बात से छात्रा नाराज हो गई और मोबाइल फोन पटकते हुए कहीं चली गई। कुछ देर तक कॉलेज प्रशासन ने उसकी तलाश की लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। इसके बाद प्राचार्य ने मेडिकल कॉलेज चौकी पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने सूचना मिलते ही छात्रा की तलाश शुरू कर दी। कॉलेज परिसर सहित आसपास के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज में छात्रा के बाहर जाने का कोई सुराग नहीं मिला तो पुलिस आसपास की बिल्डिंग व झाड़ियों की तरफ ढूंढने लगी।

इसके बाद छात्रा के करीबियों से पूछताछ शुरू की की और एक सहपाठी को पुलिस चौकी पर पूछताछ के लिए लेकर आ गई। इसकी जानकारी जब छात्रा को मिली तो उसने सहपाठी के मोबाइल फोन पर कॉल कर बताया कि वह बाल रोग विभाग की पांचवीं मंजिल पर है। इसके बाद सादी वर्दी में पुलिस सहपाठी को लेकर वहां पहुंची और काफी मशक्कत के बाद छात्रा को नीचे उतारा। उसे समझाकर चौकी पर लाई। उसके पास से एक सुसाइड नोट भी पुलिस ने बरामद किया और छात्रा को कॉलेज प्रशासन को सौंप दिया। छुट्टी न देने वाली बात गलत है। सभी छात्राओं की छुट्टी स्वीकृत हो गई थी। अभिभावकों की सहमति के बाद ही छात्राओं की छुट्टी स्वीकृत की जाती है। छात्रा का इलाज चल रहा है। तनाव में आकर उसने ऐसा कदम उठाया। अभी स्थिति सामान्य हैः डॉ. अल्का सक्सेना, प्राचार्य, नर्सिंग कॉलेज

अफसोस अपने मन की बात किसी से नहीं कह सकी... मेरे साथ मेरी किस्मत भी खत्म

शायद मुझे मरकर ही साबित करना होगा कि मेरे साथ गलत हुआ है। मुझे इस बात का अफसोस है कि मैं ये बात किसी से कह भी नहीं सकती। इसीलिए ये बातें लिख रही हूं। मेरे साथ मेरी किस्मत भी यहीं खत्म हो जाएगी। मेरे मरने के बाद दोस्तों को कुछ न कहा जाए। मैं अपनी मर्जी से जान दे रही हूं। मेरे शिक्षक, घरवाले और दोस्तों का इसमें कोई हाथ नहीं है...। यह बातें छात्रा ने सुसाइड नोट में लिखी थीं। उसने लिखा– मैं अपनी मर्जी से जान दे रही हूं। मेरे टीचर्स, मेरे घरवाले और मेरी दोस्तों का इसमें कोई हाथ नहीं है। उन्हें कुछ भी न कहा जाए।

बताया जा रहा है कि छात्रा पिछले कुछ दिनों से किसी बात को लेकर तनाव में थी। सोमवार को छुट्टी की बात को लेकर उसके अंदर नाराजगी बढ़ गई और वह निकल गई। उसने सहेलियों को भी नहीं बताया था कि वह कहां पर जा रही है। कॉलेज प्रशासन ने परिवार के लोगों से भी बात करने की कोशिश की लेकिन उन्हें भी कोई जानकारी नहीं थी। सहपाठी को चौकी पर बैठाने के बाद छात्रा तक किसी ने यह सूचना पहुंचा दी। इसके बाद पुलिस उस तक पहुंच सकी।

अस्थायी छात्रावास के पास नहीं हैं सीसीटीवी कैमरे

बीएससी नर्सिंग की छात्राओं के लिए परिसर में छात्रावास निर्माणाधीन है। इस वजह से यह छात्राएं ट्रामा सेंटर के बगल में नगर निगम के बने भवन में रहती हैं। इनके लिए वहां अस्थायी छात्रावास बनाया गया है। इसके आसपास कोई सीसीटीवी कैमरा नहीं है। साथ ही कोई महिला वार्डन भी नियुक्त नहीं है। इस वजह से भी पुलिस को छात्रा का पता लगाने में काफी मशक्कत करनी पड़ी।

एमएमएमयूटी की लाइब्रेरी में लगी आग

जल गए कंप्यूटर और लैपटॉप मची अफरा–तफरी

गोरखपुर,संवाददाता। लाइब्रेरी परिसर विश्वविद्यालय की टीचर कॉलोनी के पास स्थित है। मंगलवार सुबह धुंआ उठते ही कॉलोनी में रहने वाले लोग अनहोनी की आशंका से घबरा गए और घरों से बाहर निकल आए। कुछ देर के लिए अफरा–तफरी का माहौल हो गया। (एमएमएमयूटी) की लाइब्रेरी में मंगलवार सुबह अचानक आग से कई कंप्यूटर और लैपटाप जल गए। सुबह करीब 8:30 बजे हुई घटना की सूचना पर कैंट पुलिस और फायर ब्रिगेड पहुंची। आधे घंटे में फायर ब्रिगेड के कर्मियों ने आग को काबू कर लिया। आग लगने का कारण शार्ट सर्किट बताया जा रहा है।

लाइब्रेरी परिसर विश्वविद्यालय की टीचर कॉलोनी के पास स्थित है। मंगलवार सुबह धुंआ उठते ही कॉलोनी में रहने वाले लोग अनहोनी की आशंका से घबरा गए और घरों से बाहर निकल आए। कुछ देर के लिए अफरा–तफरी का माहौल हो गया। फायर ब्रिगेड की गाड़ियां पहुंचने से पहले कुछ लोग आग बुझाने की कोशिश भी की। इसी बीच कैंट पुलिस और फायर ब्रिगेड पहुंच गई। प्रभारी निरीक्षक कैंट संजय सिंह ने बताया कि प्रारंभिक जांच में आग का कारण शॉर्ट सर्किट सामने आया है। आग की चपेट में आने से कंप्यूटर, लैपटॉप और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जलकर खाक हो गए। हालांकि, किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। फायर ब्रिगेड की टीम नुकसान का आकलन कर रही है।

घर के बाहर खड़ी कार पर मनबढ़ों ने बरसाई गोलियां

गोरखपुर,संवाददाता। मऊआ गांव निवासी ग्राम प्रधान प्रतिनिधि अखिलेश उर्फ नन्हे दुबे ने बताया कि उनके दरवाजे पर उनके पटीदार रमाशंकर दुबे की कार खड़ी थी। देर रात दो बाइक सवार युवक आए और कार पर फायरिंग कर दी। गोली की आवाज सुनकर घर में सो रहे चालक संजय नींद खुल गई।

झुमिला बाजार। बड़हलगंज थानाक्षेत्र के महुआ गांव में सोमवार देर रात बाइक सवार बदमाशों ने अखिलेश दुबे के घर के बाहर खड़ी कार में ताबड़तोड़ तीन राउंड फायरिंग कर भाग निकले। पीड़ित की सूचना पर फॉरेंसिक टीम संग पहुंची पुलिस ने जांच पड़ताल कर साक्ष्य एकत्रित किए। पुलिस ने प्राथमिक जांच में मामले को संदिग्ध बताया है।

मऊआ गांव निवासी ग्राम प्रधान प्रतिनिधि अखिलेश उर्फ नन्हे दुबे ने बताया कि उनके दरवाजे पर उनके पटीदार रमाशंकर दुबे की कार खड़ी थी। देर रात दो बाइक सवार युवक आए और कार पर फायरिंग कर दी।

गोली की आवाज सुनकर घर में सो रहे चालक संजय नींद खुल गई। वह बाहर निकलकर देखा कि बाइक सवार हमलावर भाग रहे थे। अखिलेश ने बताया कि रात में विंध्याचल से लौटे और थकान के कारण गहरी नींद में सोए हुए थे। सुबह उठने पर घटना की जानकारी पुलिस को दी। थानाध्यक्ष चंद्रभान सिंह ने बताया कि घटना रात की है, लेकिन पुलिस को सुबह करीब 9 बजे सूचना दी गई। प्रथम दृष्टया मामला संदिग्ध लग रहा है।

योगी से मिले घोष संस्था के पदाधिकारी 50वीं वर्षगांठ पर भेंट की खास पुस्तक

गोरखपुर में घोष संस्था के पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से गोरखनाथ मंदिर में भेंट की और उन्हें अपनी संस्था की 50वीं वर्षगांठ पर बधाई दी। मुख्यमंत्री ने समाज सेवा के प्रति संस्था के समर्पण को सराहा। पुरवाई कला और श्रीचित्रगुप्त मंदिर सभा ने आदिशक्ति नामक चित्रकला प्रदर्शनी का आयोजन किया जिसमें दुर्गा के नौ रूपों को दर्शाया गया है।

संवाददाता, गोरखपुर। घोष संस्था (श्रीदुर्गा पूजा समिति) ने अपनी स्थापना के 50 वर्ष पूरे होने के अवसर पर गोरखनाथ मंदिर जाकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की। इस अवसर पर संस्था के अध्यक्ष मनीष सिंह और पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री को स्मृति स्वरूप पुस्तक भेंट की गई। इस अवसर पर संस्था की ओर से सांसद रवि किशन व विजय दुबे और महापौर डा. मंगलेश श्रीवास्तव को भी पुस्तक भेंट की गई। मुख्यमंत्री ने घोष संस्था की स्थापना के महत्वपूर्ण पड़ाव पर पदाधिकारियों को बधाई और शुभकामनाएं दीं। कहा कि समाज सेवा के प्रति समर्पण ही संस्था की वास्तविक शक्ति है और यह आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगी। मुख्यमंत्री ने आगामी वर्षों में संस्था को और ऊंचाई प्राप्त करने मंगलकामना की। मुख्यमंत्री से मिलने वालों में संस्था के संरक्षक रामबाबू जायसवाल, कोषाध्यक्ष प्रदीप वर्मा, संगठन मंत्री मनोज श्रीवास्तव सीतू आदि शामिल रहे।

चित्र प्रदर्शनी में दिखेगा भक्ति व कला का अनूठा संगम

लोक कलाओं के संवर्धन एवं संरक्षण को समर्पित संस्था पुरवाई कला व श्रीचित्रगुप्त मंदिर सभा की महिला समिति एक बार फिर रंगों से श्रद्धा का स्वरूप रचने जा रही है। दो दिवसीय भव्य चित्रकला प्रदर्शनी आदिशक्ति का आयोजन 27 और 28 अक्टूबर को श्रीचित्रगुप्त मंदिर बक्शीपुर में करने जा रही है।

संस्था की अध्यक्ष ममता श्रीवास्तव और संयोजक अनीता श्रीवास्तव ने बताया कि प्रदर्शनी में मां दुर्गा के नौ रूपों से लेकर उनके अद्वितीय प्रतीकों तक को कलाकार अपने कैनवास पर साकार करेंगे। उद्घाटन 27 अक्टूबर को दोपहर 12 बजे से होगा। मुख्य अतिथि के रूप में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. पूनम टंडन, विशिष्ट अतिथि के रूप में दूरदर्शन केंद्र के कार्यक्रम प्रमुख मोहन यादव, वरिष्ठ आचार्य प्रो. शिव शरण दास, प्रो. निशा जायसवाल, राजेश चंद्रा की उपस्थिति रहेगी। समापन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भारतीय स्टेट बैंक गोरखपुर के उप महाप्रबंधक कुमार आनंद और विशिष्ट अतिथि पर्यटन विभाग के उप निदेशक राजेंद्र प्रसाद, अंबरीश श्रीवास्तव व डा. गौरी शंकर चौहान होंगे।

आधी रात पुलिस ने उतरवाया विवादित बैनर पूर्व चेयरमैन हाउस अरेस्ट

देवरिया,संवाददाता। नगर के पुराना चौक पर एक कार्यकर्ता द्वारा मुगल और शिवाजी को लेकर विवादित बैनर लगाया गया। जिसको पुलिस ने उतारने को कहा। इस बात को लेकर भाजपा के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष छट्ठे लाल निगम, मंडल अध्यक्ष दिलीप जायसवाल, सुधांशु मौली ओझा सहित का भाजपा के तमाम कार्यकर्ता करीब दो घंटे तक नारेबाजी किए। नगर के पुराना चौक पर शिवाजी और मुगल को लेकर लगाए गया विवादित बैनर पुलिस ने आधी रात को उतार दिया। जिसको लेकर दूसरे दिन बुधवार को भी नगर के पुराना चौक पर भाजपाई और हिन्दू संगठनों से जुड़े नेता हंगामा करने लगे।

पुलिस के बैनर हटाने से नाराज लोग दूसरा बैनर टांग कर चौक पर धरना देने लगे।धरना स्थल पर जा रहे पूर्व चेयरमैन छट्ठे लाल निगम को पुलिस ने हाउस अरेस्ट कर दिया। विवादित बैनर को लेकर सड़क से लेकर सोशल मीडिया तक माहौल गर्म है।

मंगलवार को नगर के पुराना चौक पर एक कार्यकर्ता द्वारा मुगल और शिवाजी को लेकर विवादित बैनर लगाया गया। जिसको पुलिस ने उतारने को कहा। इस बात को लेकर भाजपा के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष छट्ठे लाल निगम, मंडल अध्यक्ष दिलीप जायसवाल, सुधांशु मौली ओझा सहित का भाजपा के तमाम कार्यकर्ता करीब दो घंटे तक नारेबाजी किए।

उन्होंने पुलिस पर जानबूझकर माहौल खराब करने का आरोप लगाया। रात में पुलिस ने मुगलों के बाप क्षत्रपति शिवाजी महाराज स्लोगन लिखे विवादित बैनर को उतार दिया । इस बात की सुबह जानकारी होते ही आक्रोशित भाजपा कार्यकर्ता दोबारा पुराना चौक पर पहुंच गए और पुलिस के खिलाफ नारेबाजी करने लगे।

भाजपा के नगर मंडल अध्यक्ष दिलीप जायसवाल और सुधांशु मौली ओझा के नेतृत्व में चौक पर भारी भीड़ जुट गई। मंडल अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने कहा कि पुलिस की कायराना हरकत निंदनीय है। पुलिस कुछ चंद हिन्दू विरोधी मानसिकता के लोगों के इशारे पर काम कर रही है।

रुद्रपुर की जनता महापुरुषों का अपमान बर्दाश्त नहीं करेगी।अब शिवाजी महाराज के सम्मान में पूरे शहर को बैनरों से पाट दिया जाएगा। मौके पर भीड़ की स्थिति को देखते हुए पुलिस और पीएसी बल बुलाया गया । पूर्व चेयरमैन के घर भारी संख्या में पुलिस तैनात कर दिया गया। चौक से बैनर हटाने के बाद रुद्रपुर में बैनर लगाने की होड मच गई है। अब चौक पर दो बैनर लगा दिया गया है। सीओ हरिराम यादव ने कहा कि किसी भी प्रकार की अराजकता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। शांतिपूर्ण माहौल में त्योहार को सम्पन्न कराने के लिए पुलिस प्रशासन संकल्पित है।

बीएससी छात्र को बदमाशों ने मारी गोली

एक हिरासत में– दो दिन पहले का विवाद तो नहीं बना जानलेवा

गोरखपुर,संवाददाता । अमन के पिता मनोज मौर्या खेतीबाड़ी करते हैं। उन्होंने पड़ोसी युवक पर गोली चलाने का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि घटना के समय वे नौतनवां में खेत देखने गए थे और सूचना मिलते ही घर लौटे। पुलिस ने आरोपी पड़ोसी को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। रामगढ़ताल थाना क्षेत्र के पथरा बड़गो गांव में सोमवार की रात बदमाशों ने बीएससी के छात्र अमन मौर्या (25) को दौड़ाकर गोली मार दी। गोली लगते ही अमन लहूलुहान होकर गिर पड़ा। उसे बीआरडी मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया, जहां उसकी हालत नाजुक बनी हुई बताई जा रही है। पुलिस एक आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है।

जानकारी के अनुसार, अमन के पिता मनोज मौर्या खेतीबाड़ी करते हैं। उन्होंने पड़ोसी युवक पर गोली चलाने का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि घटना के समय वे नौतनवां में खेत देखने गए थे और सूचना मिलते ही घर लौटे। पुलिस ने आरोपी पड़ोसी को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।

प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि छात्र का अपने पड़ोसी से दो दिन पहले विवाद हुआ था। पुलिस इस घटना को उसी विवाद से जोड़कर देख रही है। एसपी सिटी अभिनव त्यागी और रामगढ़ताल थाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच की। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं और छात्र के होश में आने का इंतजार है, ताकि वह बयान दर्ज करा सके। घायल छात्र का बीआरडी मेडिकल कॉलेज में इलाज चल रहा है। एक आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। परिजनों की तहरीर के आधार पर केस दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

योगेंद्र सिंह, सीओ कैंट

राप्तीनगर के SDO, मेडिकल कॉलेज के JE निलंबित– 6 संविदाकर्मी भी हुए बरर्वास्त

गोरखपुर,संवाददाता। बिजली निगम के संबंधित अधिकारी व कर्मचारियों पर आरोप है कि बिजली कर्मियों की साठगांठ से मोगलहा में निर्माणाधीन मकान को बनाने के लिए छत के ऊपर 11 हजार वोल्ट की लाइन गुजरने के बाद भी शटडाउन लेकर लिंटर लगाया गया था। इसके बाद छत पर खड़ी युवती की करंट लगने से मौत हो गई ।

मोगलहा में निर्माणाधीन मकान की छत पर हाईटेंशन लाइन के करंट से युवती की मौत के मामले में सोमवार को बड़ी कार्रवाई की गई है।

पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड के प्रबंध निदेशक शंभू कुमार की ओर से राप्तीनगर के एसडीओ भानु प्रताप, मेडिकल कॉलेज उपकेंद्र के जेई दुर्गा प्रसाद और मेडिकल कॉलेज उपकेंद्र के तकनीशियन ग्रेड टू जयंत गौतम को निलंबित कर दिया गया।

साथ ही मेडिकल कॉलेज उपकेंद्र के छह निविदाकर्मियों को बर्खास्त कर दिया गया है।

राप्तीनगर के अधिशासी अभियंता अभिषेक कुमार के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

बिजली निगम के संबंधित अधिकारी व कर्मचारियों पर आरोप है कि बिजली कर्मियों की साठगांठ से मोगलहा में निर्माणाधीन मकान को बनाने के लिए छत के ऊपर 11 हजार वोल्ट की लाइन गुजरने के बाद भी शटडाउन लेकर लिंटर लगाया गया था। इसके बाद छत पर खड़ी युवती की करंट लगने से मौत हो गई थी।

मामले की जांच के निर्देश चेयरमैन डॉ. आशीष गोयल ने दिए थे।

बताया जा रहा है कि सेमरा नंबर दो की शिक्षक शशिबाला मौर्या ने मोगलहा के मकान पर पहली मंजिल का काम शुरू कराया था।

मकान के ऊपर से गुजर रहे 11 हजार वोल्ट की लाइन के कारण बिजलीकर्मियों ने अवैध रूप से पांच व 11 अगस्त को शटडाउन दिया। इसके बाद छत लगा दी गई। यही नहीं, तार पर प्लास्टिक की पाइप भी डाल दी गई।

यह गलत है लेकिन पूरा मामला मैनेज हो गया। 14 सितंबर को शशिबाला मौर्या की 18 वर्षीय बेटी साक्षी उर्फ प्रज्ञा छत पर गई थी। तार पर प्लास्टिक की पाइप होने के कारण वह करंट के खतरे से अंजान रही, करंट की चपेट में आ गई। उसकी मौके पर ही मौत हो गई। इसके बाद जांच के आदेश दिए गए। अधीक्षण अभियंता ग्रामीण द्वितीय दीपक कुमार के नेतृत्व में टीम ने जांच रिपोर्ट शनिवार को सौंप दी थी।

ये निविदा कर्मी किए गए बर्खास्त

करंट से युवती की मौत के मामले में निविदा कर्मी राहुल गोस्वामी, विशाल मिश्र, गौरीशंकर, शिवम चौहान, संजय साहनी, सब स्टेशन आपरेटर राघवेंद्र कुमार सिंह को बर्खास्त कर दिया गया है।

क्वारंटीन में है सीतापुर से आई बाघिन

कीपर को देख दहाड़ रही– स्वाभाव में है आक्रामकता

गोरखपुर,संवाददाता। जंगल से सीधे आने के कारण बाघिन का स्वभाव थोड़ा आक्रामक है। इसकी गतिविधियों पर निगरानी रखी जा रही है। धीरे–धीरे वह चिड़ियाघर के माहौल में ढल जाएगी। व्यवहार सामान्य होने के बाद उसे क्रॉल में शिफ्ट कर दिया जाएगा। वह सामान्य से थोड़ी कम खुराक ले रही है। नई जगह पर ऐसा होता है। एक से दो दिन में यह ठीक हो जाएगा। डॉ. योगेश ने बताया कि हर गतिविधि की रिपोर्ट तैयार की जा रही है।

सीतापुर से लाई गई बाघिन को चिड़ियाघर के अस्पताल में क्वारंटीन में रखा गया है। जंगल से सीधे आने की वजह से उसका व्यवहार थोड़ा आक्रामक है। कीपर को देख वह दहाड़ रही है। शहीद अशफाक उल्ला खां प्राणी उद्यान में बाघिन के लिए विशेष इंतजाम किए गए हैं।

चिड़ियाघर के उप निदेशक एवं मुख्य वन्यजीव चिकित्सक डॉ. योगेश प्रताप सिंह ने बताया कि बाघिन आठ साल की है और पूरी तरह स्वस्थ है। उसे आइसोलेशन वार्ड में क्वारंटीन में रखा गया है। जंगल से सीधे आने के कारण उसका स्वभाव थोड़ा आक्रामक है। इसकी गतिविधियों पर निगरानी रखी जा रही है।

धीरे–धीरे वह चिड़ियाघर के माहौल में ढल जाएगी। व्यवहार सामान्य होने के बाद उसे क्रॉल में शिफ्ट कर दिया जाएगा। वह सामान्य से थोड़ी कम खुराक ले रही है। नई जगह पर ऐसा होता है। एक से दो दिन में यह ठीक हो जाएगा। डॉ. योगेश ने बताया कि हर गतिविधि की रिपोर्ट तैयार की जा रही है।

दरअसल, सीतापुर के महोली तहसील के नरनी गांव में बाघों की संख्या क्षेत्र की क्षमता से अधिक हो गई थी। इसी कारण शुक्रवार देर रात बाघिन को ट्रैंकुलाइज कर पकड़ा गया। पकड़े जाने के बाद उसे इलसिया वन उद्यान (पिंजरा नगर) ले जाया गया, जहां चिकित्सकीय परीक्षण में स्वस्थ पाई गई। इसके बाद उसके गोरखपुर स्थानांतरण की मंजूरी दी गई। शनिवार शाम वन विभाग की टीम बाघिन को लेकर गोरखपुर के लिए रवाना हुई और रविवार को प्राणी उद्यान में सुरक्षित पहुंचाया गया।

आलू में भी मिलावट: रहें होशियार...

रंगे लाल आलू से मंडी के पल्लेदार, हो रहे बीमार– खरीदने से पहले ऐसे परखें

गोरखपुर,संवाददाता। पिछले महीने मंडियों में खराब आलू को रंगकर बेचने का मामला सामने आया था, तब शासन स्तर से इसकी निगरानी शुरू कराई गई थी। तब महेवा के अलावा शहर के अन्य फुटकर बाजारों में भी जांच हुई थी। उस समय धंधेबाजों ने काम बंद कर दिया, लेकिन अब दोबारा वही खेल शुरू कर दिया है। कानपुर, कन्नौज और उन्नाव से आ रहे रंगे लाल आलू की वजह से महेवा मंडी के कई पल्लेदार बीमार हो गए हैं। ट्रक से आलू उतारने के बाद केमिकल की वजह से इन पल्लेदारों के शरीर पर दाने निकल गए थे, जिसका इलाज कराने की वजह से उन लोगों ने काम छोड़ दिया है।

मंडी में अन्य मजदूर भी ट्रकों से आलू उतारने में आनाकानी करने लगे हैं। इसकी जानकारी होने पर खाद्य सुरक्षा विभाग ने सोमवार को चार दुकानों से आलू की सैंपलिंग भी कराई है। महेवा मंडी में करीब एक महीने से रंगा लाल आलू आ रहा है। बाराबंकी से लेकर उन्नाव तक कोल्ड स्टोरेज में पड़े खराब आलू को चमकाने के लिए धंधेबाज केमिकल से रंगकर इस आलू की पूर्वांचल की मंडी में भेज रहे हैं।

महेवा की मंडी में तीन बड़े कारोबारियों की दुकानों पर ट्रकों से ऐसे आलू की खेप लगातार आ रही है। इन आलुओं को बोरी से उतारने वाले मजदूरों के शरीर पर दाने और खुजली होने पर मजदूरों ने काम छोड़ दिया।

अचानक मजदूरों के बीमार पड़ने और फिर गायब होने की चर्चा ने खाद्य सुरक्षा विभाग को सतर्क कर दिया। विभाग की टीम ने सोमवार सुबह मंडी की चार दुकानों से आलू के सर्विलांस सैंपल लेकर जांच के लिए भेजा है।

एयरपोर्ट का नाम 'महायोगी गुरु गोरखनाथ हवाई अड्डा' करने पर बनी सहमति, लगेगी प्रतिमा

गोरखपुर,संवाददाता। एयरपोर्ट परिसर में गुरु गोरक्षनाथ की प्रतिमा लगाने और हवाई अड्डे का नाम 'महायोगी गुरु गोरखनाथ हवाई अड्डा' करने पर भी सहमति बनी। सांसद ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में गोरखपुर शीघ्र ही नई उड़ानों और विश्वस्तरीय सुविधाओं के साथ देश में एक अलग पहचान बनाएगा। गोरखपुर एयरपोर्ट का नाम बदलकर अब महायोगी गुरु गोरखनाथ हवाई अड्डा रखा जाएगा। सोमवार को एयरपोर्ट की सलाहकार समिति ने इसे सहमति दे दी। साथ ही एयरपोर्ट परिसर में गुरु गोरक्षनाथ की प्रतिमा भी लगाई जाएगी।

सोमवार को सांसद रवि किशन शुक्ला ने सोमवार को गोरखपुर सिविल एयरपोर्ट पर हवाई अड्डा सलाहकार समिति की बैठक की अध्यक्षता की।

मुख्य एजेंडा गोरखपुर एयरपोर्ट का विकास, आधुनिकीकरण और यात्री सुविधाओं का विस्तार रहा। सांसद ने कहा कि गोरखपुर एयरपोर्ट केवल हवाई अड्डा नहीं, बल्कि पूर्वांचल की पहचान है। इसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विकसित करना उनका संकल्प है। उन्होंने नए टर्मिनल भवन निर्माण, एमईएस संरचनाओं का रिलोकेशन, एप्रन एक्सटेंशन कार्यों की समयबद्ध पूर्णता और नई उड़ान सेवाओं की शुरुआत का प्रस्ताव रखा। जम्मू, पुणे, जयपुर, चंडीगढ़ और गोवा के लिए सीधी उड़ानें शुरू करने का सुझाव दिया गया।

साथ ही अपग्रेड कर एयरपोर्ट को 24 घंटे संचालन योग्य बनाने पर भी चर्चा हुई। यात्रियों की सुविधा के लिए एयरपोर्ट परिसर में गीता प्रेस की दुकान, हाईवे पर यात्री शेड व पेयजल व्यवस्था, मुख्य द्वार का सुंदरीकरण और बड़े एलईडी बोर्ड पर एयरपोर्ट का नाम प्रदर्शित करने जैसे प्रस्ताव रखे गए।

एयरपोर्ट परिसर में गुरु गोरक्षनाथ की प्रतिमा लगाने और हवाई अड्डे का नाम 'महायोगी गुरु गोरखनाथ हवाई अड्डा' करने पर भी सहमति बनी। सांसद ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में गोरखपुर शीघ्र ही नई उड़ानों और विश्वस्तरीय सुविधाओं के साथ देश में एक अलग पहचान बनाएगा। बैठक में नामित सदस्य मनीष सिंह, आलोक अग्रवाल, शांतनु सर्राफ, एडीएम सिटी अंजनी सिंह, निदेशक विमानपत्तन आरके पाराशर, एजीएम संचार एवं प्रभारी परिचालन विजय कौशल, विनोद कुमार सिंह, मुख्य हवाई अड्डा सुरक्षा अधिकारी सहित एएआई और संबंधित एयरलाइंस के अधिकारी मौजूद रहे।

आजम खां की मुश्किलें बरकरार...

अभी इन मामलों में फैसला आना बाकी, निर्णय के करीब ये मुकदमे

लखनऊ,संवाददाता। सपा नेता आजम खां भले ही जमानत मिलने पर जेल से बाहर आए गए हों, लेकिन उनकी मुश्किलें बरकरार हैं। तीन मामले फैसले के करीब पहुंच चुके हैं। शत्रु संपत्ति के मामले में तीन धाराएं बढ़ चुकी हैं। सपा नेता की 2019 के लोकसभा चुनाव के बाद से मुश्किलें शुरू हुईं थीं।

समाजवादी पार्टी के नेता आजम खां भले ही जेल से रिहा हो गए हों लेकिन मुश्किलें बरकरार हैं। उनके लिए जहां एक अक्तूबर का दिन अहम माना जा रहा है। वहीं तीन मामले भी फैसले के करीब पहुंच चुके हैं। जल्द ही इन मामलों में फैसला आ सकता है।

सपा नेता आजम खां मंगलवार को सीतापुर जेल से रिहा होकर रामपुर पहुंच गए। 2019 के लोकसभा चुनाव के बाद शुरू हुईं सपा नेता की मुश्किलें कम होती नजर नहीं आ रही हैं। पहले 27 माह और फिर 23 माह तक जेल में रहने के बाद रिहा हुए सपा नेता के चेहरे पर भी खुशी दिख रही थी, लेकिन मुश्किलें बरकरार हैं। सपा नेता के खिलाफ कुल 104 मामले दर्ज हुए थे, इनमें से कुछ मामले दूसरे जिलों में भी विचाराधीन है। सूत्रों के अनुसार, मौजूदा समय में 59 मामले सेशन कोर्ट, जबकि 19 मामले मजिस्ट्रेट कोर्ट में चल रहे हैं। 12 मामलों में फैसला आ चुका है, जिसमें पांच मामले में सजा हो चुकी है। इसके साथ ही सात में उन्हें बरी किया जा चुका है। फिलहाल तीन मामले फैसले के करीब पहुंच चुके हैं।

इन मामलों में फैसला आना बाकी

भड़काऊ भाषण:

भड़काऊ भाषण मामले में जल्द फैसला आने की उम्मीद है। यह मामला वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव का है। आजम खां पहली बार लोकसभा चुनाव लड़े थे और जीते भी थे। इस दौरान सिविल लाइंस कोतवाली में तत्कालीन एसडीएम सदर प्रेम प्रकाश तिवारी ने आजम खां के खिलाफ मामला दर्ज कराया था। आरोप है कि 23 अप्रैल 2019 को आजम खां का एक वीडियो इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित हुआ था। इसमें वह जनसभा में मतदाताओं को पुलिस के प्रति भड़का रहे थे और निर्धारित अवधि के बाद भी मतदान करने के लिए उकसा रहे थे। इसे आदर्श चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन माना गया था। यह मामला अब फैसले के करीब पहुंच गया है।

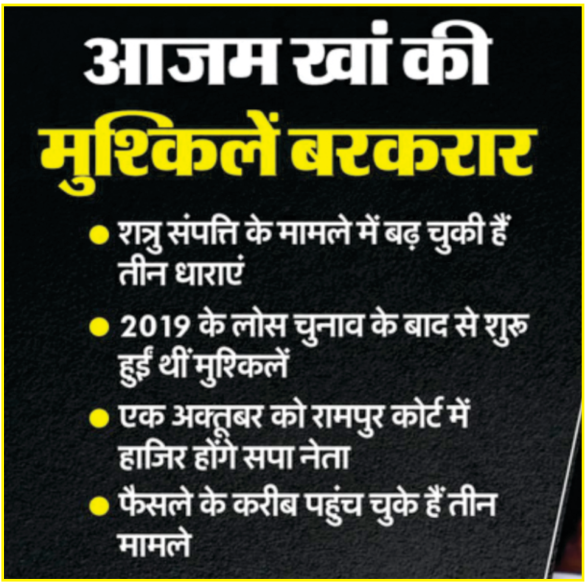

अमर लसह के परिवार पर टिप्पणी करने का मामला

पूर्व सांसद अमर सिंह के परिवार को लेकर आजम खां का आपत्तिजनक बयान देने का मामला भी फैसले के करीब है। अमर सिंह की ओर से लखनऊ के गोमतीनगर थाने वर्ष 2018 में आजम खां के खिलाफ केस दर्ज कराया था। इसमें आरोप है कि आजम खां ने 23 अगस्त 2018 को एक न्यूज चैनल को साक्षात्कार दिया था। इस दौरान अमर सिंह से संबंधित सवाल पर आजम खां ने उनके परिवार को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। बाद में यह मामला लखनऊ से रामपुर स्थानांतरित हो गया था। सुनवाई एमपी-एमएलए स्पेशल कोर्ट (मजिस्ट्रेट ट्रायल) में चल रही है।

एक अक्तूबर को रामपुर कोर्ट में हाजिर होंगे आजम

सपा नेता आजम खां शत्रु संपत्ति के मामले में एक अक्तूबर को एमपी-एमएलए कोर्ट में हाजिर होंगे। कोर्ट ने उन्हें व्यक्तिगत तौर पर उपस्थित होने को कहा है। इस मामले में पुलिस की ओर से तीन धाराओं को बढ़ाया जा चुका है। बचाव पक्ष का कहना है कि धाराएं बढ़ाने का मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंच चुका है। इस वजह से इस मामले में सपा नेता को कस्टडी में नहीं लिया गया है।

आजम से जुड़े यतीमखाना मामले में हुई जिरह

सपा नेता आजम खां से जुड़े यतीमखाना बस्ती मामले में गवाह से जिरह हुई। उनसे जिरह नहीं हो सकी। इस मामले की सुनवाई 25 सितंबर को होगी। यतीमखाना बस्ती मामले में एमपीएमएलए कोर्ट में सुनवाई हुई। मंगलवार को इस मामले में बचाव पक्ष की ओर से गवाह जाहिद को कोर्ट में पेश किया। जाहिद से अभियोजन की ओर से जिरह की गई। जाहिद से जिरह पूरी नहीं हो सकी। अब इस मामले की सुनवाई 25 सितंबर को होगी। इसके अलावा भड़काऊ भाषण मामले में सुनवाई होनी थी लेकिन सुनवाई नहीं हो सकी। वहीं किसानों की जमीन कब्जाने के मामले में सुनवाई होनी थी, लेकिन सुनवाई नहीं हो सकी।

सेना पर विवादित टिप्पणी का मामला

भाजपा विधायक आकाश सक्सेना ने 30 जून 17 को सिविल लाइंस कोतवाली में सपा नेता के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उनका कहना था कि आजम खां ने सपा कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए सरकार के खिलाफ बोलते-बोलते सेना पर भी आपत्तिजनक टिप्पणी कर दी थी। एडीजीसी संदीप कुमार का कहना है कि तीनों मामलों में बहस पूरी हो चुकी है। जल्द ही फैसला आ सकता है।

जौहर विवि पर नहीं चल सका ईडी का चाबुक

पूर्व मंत्री एवं सपा के वरिष्ठ नेता आजम खां की जमानत के बाद भी उनकी मुश्किलें कम होने के आसार नहीं दिख रहे हैं। दरअसल, आजम के खिलाफ आयकर विभाग और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की जांच जारी है, जिसमें उनके खिलाफ कार्रवाई होनी बाकी है। खासकर आजम खां के ड्रीम प्रोजेक्ट मौलाना अली जौहर विश्वविद्यालय को ईडी द्वारा जब्त किया जाना है। हालांकि अभी तक जौहर विवि पर ईडी का चाबुक नहीं चल सका है।

बता दें कि आयकर विभाग ने दो वर्ष पूर्व आजम खां के यूपी समेत देश भर में 30 से ज्यादा ठिकानों पर छापा मारा था, जिसमें जौहर विवि का निर्माण कराने वाली जौहर ट्रस्ट के तमाम पदाधिकारियों के ठिकाने भी शामिल थे। जांच के बाद आयकर विभाग ने जौहर विश्वविद्यालय के निर्माण में करीब 350 करोड़ रुपये की गड़बड़ी का पता लगाया था। जांच में सामने आया था कि विवि के निर्माण में अवैध रूप से यह रकम खर्च की गई, जिसका स्रोत ट्रस्ट नहीं बता सका था। आयकर विभाग ने इसके बाद जौहर ट्रस्ट से जुर्माने और ब्याज सहित 550 करोड़ रुपये वसूलने की कवायद भी शुरू की थी।

वहीं ईडी ने भी जौहर विश्वविद्यालय के साथ आजम खां, उनकी पत्नी तंजीन फात्मा और बेटे अब्दुल्ला आजम की चल-अचल संपत्तियों की भी जांच की है।

नेता, ठेकेदार और आर्किटेक्ट भी फंसे

आयकर जांच में जौहर विवि को अपनी निधि देने वाले तमाम सांसद, विधायक, कार्यदायी संस्थाओं, जल निगम, पीडब्ल्यूडी और ग्राम्य विकास विभाग के अधिकारी, ठेकेदार और आर्किटेक्ट भी फंसे थे। साथ ही गोमतीनगर के विवेक खंड निवासी आर्किटेक्ट अहमद हारुन, निसार अहमद, समरीन अहमद, इंदिरानगर निवासी सीमा नदीम, डालीबाग निवासी आफाक अहमद भी जांच के दायरे में आए थे।

रेलवे में 8875 पदों पर भर्ती

एनटीपीसी ग्रेजुएट और UG का नोटिस जारी

दिल्ली,एजेंसी। रेलवे भर्ती बोर्ड ने एनटीपीसी भर्ती का नोटिस जारी कर दिया है। रेल मंत्रालय ने एनटीपीसी ग्रेजुएट और यूजी के कुल 8,875 पदों पर नियुक्ति के लिए शॉर्ट नोटिस जारी किया है। रेलवे भर्ती बोर्ड ने एनटीपीसी भर्ती 2025-26 के लिए शॉर्ट नोटिफिकेशन जारी किया है। इस बार भर्ती अभियान के तहत कुल स्नातक और यूजी के कुल 8,875 पदों पर नियुक्तियां की जाएंगी। इस भर्ती में स्टेशन मास्टर, गुड्स गार्ड, कमर्शियल क्लर्क, अकाउंट्स क्लर्क, जूनियर टाइपिस्ट, ट्रेन्स क्लर्क, सीनियर क्लर्क कम टाइपिस्ट, ट्रैफिक असिस्टेंट समेत कई पद शामिल हैं।

अक्तूबर में शुरू हो सकती है आवेदन प्रक्रिया

कुल पदों में से 5,817 पद स्नातक उम्मीदवारों के लिए और 3,058 पद 12वीं पास अभ्यर्थियों के लिए आरक्षित हैं। आवेदन प्रक्रिया अक्तूबर से नवंबर 2025 के बीच शुरू होने की संभावना है। उम्मीदवार केवल क्षेत्रीय आरआरबी की आधिकारिक वेबसाइटों पर जाकर ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे।

संपत्ति रजिस्ट्री करने में नियमों में हुआ बदलाव

खरीद-बिक्री से जुड़े सभी लोगों के पास जाएगा ओटीपी

लखनऊ,संवाददाता। यूपी में संपत्ति की रजिस्ट्री करने के नियमों में बदलाव हुआ है। अब खरीद-बिक्री से जुड़े हर व्यक्ति के पास वेरीफिकेशन के लिए ओटीपी जाएगा। जमीन की खरीद-फरोख्त में फर्जीवाड़ा रोकने के लिए रजिस्ट्री विभाग ने नई व्यवस्था लागू की है। अब रजिस्ट्री की हर प्रक्रिया में खरीदार और विक्रेता दोनों के मोबाइल नंबर पर ओटीपी भेजकर सत्यापन किया जाएगा। साथ ही कृषि भूमि की रजिस्ट्री के लिए ग्राम कोड और खतौनी दर्ज करना अनिवार्य कर दिया गया है, ताकि फर्जी नाम, नकली दस्तावेज और जालसाजी की गुंजाइश न बचे। नए नियम के मुताबिक जमीन बेचने या खरीदने वाले हर पक्षकार के मोबाइल नंबर पर वन-टाइम पासवर्ड यानी ओटीपी भेजा जाएगा। इस ओटीपी से ही दस्तावेजी कार्रवाई आगे बढ़ेगी, ताकि बिना पक्षकार की सहमति या फर्जी दस्तावेजों से दर्ज होने वाली रजिस्ट्री की संख्या को रोका जा सके। इसके अलावा, कृषि भूमि की लेन-देन में ग्राम कोड और खतौनी संख्या को अनिवार्य रूप से पत्रों में दर्ज करवाना होगा। ये दोनों सूचकांक जमीन की स्थिति व दस्तावेजी पहचान सुनिश्चित करने में मदद करेंगे।

22 सेकेंड में प्रिंसिपल ने बीएसए पर बरसाई बेल्ट

लखनऊ,संवाददाता। यूपी के सीतापुर जिले में एक प्रिंसिपल के द्वारा बीएसए पर बेल्ट बरसाने का मामला सामने आया है। आरोपी प्रिंसिपल को जेल भेज दिया गया है। बीएसए अखिलेश प्रताप सिंह को एक प्रधानाध्यापक ने मंगलवार को कार्यालय के अंदर बेल्ट से पीट दिया। आरोपी ने 22 सेकेंड में 3 बेल्ट बरसाईं। जब बीएसए ने पुलिस को कॉल करने के लिए फोन उठाया तो छीनकर उसे भी तोड़ दिया। सरकारी अभिलेख फाड़ दिए। बीचबचाव कर रहे लिपिक प्रेम शंकर मौर्या से भी हाथापाई की। पुलिस ने मुकदमा दर्ज करके आरोपी शिक्षक को हिरासत में ले लिया है।

दोपहर करीब चार बजे महमूदाबाद विकासखंड के प्राथमिक विद्यालय नदवा के प्रधानाध्यापक बृजेंद्र कुमार वर्मा बीएसए कार्यालय पहुंचे। बीएसए ने एक मामले में उन्हें सुनवाई के लिए बुलाया था। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया प्रधानाध्यापक की लापरवाही पर बीएसए ने उन्हें डाटा। इस पर वह आग बबूला हो गए। बीएसए को अपशब्द कहे। उसके बाद कमर से बेल्ट निकालकर चार से पांच बार प्रहार किया।

बेल्ट का लोहे का कुंडा उनके सिर पर भी लगा। बीएसए ने फोन उठाने की कोशिश की उसे छीनकर तोड़ दिया। बीएसए की मेज पर रखे सरकारी अभिलेख भी फाड़ दिए। सुनवाई के दौरान कार्यालय में मौजूद लिपिक प्रेम शंकर ने बीचबराव करने की कोशिश की तो प्रधानाध्यापक ने उनके साथ भी हाथापाई की। कार्यालय के अंदर हो हल्ला सुनकर अन्य कर्मचारी दौड़ाकर अंदर आए और शिक्षक को पकड़ लिया। पुलिस ने शिक्षक को पकडकर कोतवाली लाई। बीएसए की तहरीर पर जान से मारने व सरकारी अभिलेख फाडने की धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। घटना की जानकारी होने पर तमाम शिक्षक संगठन के पदाधिकारी भी मौके पर पहुंचे। इंस्पेक्टर अनूप शुक्ला ने बताया मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पूरे मामले की जांच की जा रही है। वहीं, देर शाम बीएसए ने जिला अस्पताल में अपना मेडिकल करवाया।

क्या था मामला

बीएसए ने बताया कि प्रधानाध्यापक ने अपने विद्यालय की एक सहायक अध्यापिका को लापरवाही बरतने का नोटिस दिया था। इस नोटिस को उसने राजनीतिक ग्रुपों में शेयर कर दिया। इस पर शिक्षिका ने शिकायत की थी। इस शिकायत का जवाब देने के लिए कार्यालय बुलाया था। इस दौरान यह घटना हुई।

शिक्षक को डांटा था

बीएसए अखिलेश प्रताप सिंह ने बताया कि प्रधानाध्यापक को नोटिस का जवाब देने के लिए बुलाया था। दोबारा ऐसा कृत्य न करने की चेतावनी दी थी। इसी दौरान शिक्षक ने मारपीट की।

क्या होगा आजम का नया सियासी ठिकाना? नए समीकरण को मिली हवा

मुरादाबाद,संवाददाता। आजम खां के नए सियासी ठिकाने को लेकर कयास लगने लगे हैं। सपा नेता के जेल से बाहर आने की उम्मीदों ने नए समीकरणों को हवा दी है। तजीन की बसपा सुप्रीमो मायावती से मुलाकात की चर्चाओं से बल मिला है। सीतापुर जेल में बंद सपा नेता आजम खां की रिहाई की उम्मीद के बीच उनके नए सियासी ठिकाने को लेकर कयास लगने शुरू हो गए हैं। इस कयासबाजी को आजम की पत्नी डॉ. तजीन फात्मा की बसपा प्रमुख मायावती से मुलाकात की चर्चाओं से बल मिला है। हालांकि, सपा और बसपा के नेता इस मुद्दे पर कुछ भी बोलने से बच रहे हैं। फिलहाल सभी की नजर आजम की रिहाई के बाद उनके अगले कदम पर है।

सपा नेता आजम खां करीब 23 महीने से सीतापुर जेल में बंद हैं। उन पर विभिन्न मामलों में 96 केस दर्ज हैं। 18 सितंबर को हाईकोर्ट से जमानत मिलने के बाद से ही आजम की रिहाई की उम्मीदें परवान चढ़ने लगीं। साथ ही आजम खां के नए सियासी ठौर की चर्चाएं भी शुरू हो गईं। यह चर्चा अनायास नहीं है। इसके पीछे राजनीतिक जानकार बसपा की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती और तजीन फात्मा की मुलाकात बताते हैं। चर्चा है कि पिछले दिनों दिल्ली में दोनों की मुलाकात हुई थी। वार्ता के केंद्र बिंदु में आजम खां ही रहे। अब इस मुलाकात की चर्चाएं सियासी गलियारों से लेकर सोशल मीडिया तक में होने लगी हैं। जानकार इस सियासी मुलाकात को आजम खां–तजीन फात्मा के पिछले बयानों से जोड़कर देख रहे हैं। जो बताते हैं कि दोनों का मिलना इत्तेफाक नहीं है।

'तजीन फात्मा पिछले कई माह से दिल्ली नहीं गई'

इससे पहले सीतापुर जेल में आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के प्रमुख एवं सांसद चंद्रशेखर आजाद ने आजम खां से मुलाकात कर दलित–मुस्लिम गठजोड़ की सियासत को हवा दी थी।

राजनीतिक जानकारों का यह भी मानना है कि आजम का अगला कदम उनके स्वास्थ्य और परिवार की राजनीतिक रणनीति पर निर्भर करेगा। वैसे आजम खां के नजदीकी यह दावा भी करते हैं कि तजीन फात्मा पिछले कई माह से दिल्ली नहीं गई हैं। इस वजह से उनकी मायावती से मुलाकात की बात में कोई दम नहीं है।

टिकट बंटवारे को लेकर रिश्तों में आई थी तल्खी

लोकसभा चुनाव में टिकटों के बंटवारे को लेकर अखिलेश यादव और आजम खां के रिश्तों में तल्खी आ गई थी। खुद के चुनाव नहीं लड़ने की स्थिति में आजम खां ने अखिलेश यादव को रामपुर लोकसभा सीट से चुनाव लड़ने का सुझाव दिया था। साथ ही मुरादाबाद सीट से बिजनौर की पूर्व विधायक रुचिवीरा को प्रत्याशी बनाने की सिफारिश की थी। अखिलेश ने रामपुर सीट से चुनाव लड़ने के प्रस्ताव को ठुकरा दिया था। इसके बाद आजम खां के हवाले से रामपुर के सपा नेताओं ने लोकसभा चुनाव के बहिष्कार का एलान कर दिया था। इस खींचतान के बीच अखिलेश यादव ने आजम की पसंद को दरकिनार कर मौलाना मोहिब्बुल्लाह नदवी को रामपुर से उम्मीदवार घोषित कर दिया था।

हंस कर टाल गए अखिलेश यादव

आजम खां के बसपा में शामिल होने की चर्चाएं लखनऊ से लेकर दिल्ली तक घूम रही हैं। इस संबंध में मीडिया ने जब अखिलेश यादव से सवाल किया तो वह हंस कर टाल गए।

कहीं नहीं जाएंगे आजम खां

सपा के वरिष्ठ नेताओं का कहना है कि आजम खां के लिए सपा ही सबसे मुफीद है। उनके लिए दूसरे दलों में अपने अंदाज में काम कर पाना मुश्किल होगा। इसलिए कहीं नहीं जाएंगे, सपा में ही रहेंगे। इस बारे में पूर्व सांसद डॉ. एसटी हसन का कहना है कि आजम खां सपा के संस्थापक सदस्य रहे हैं। उनके किसी भी पार्टी में जाने की चर्चाएं पूरी तरह से निराधार हैं। उनके किसी भी पारिवारिक सदस्य की किसी भी नेता से मुलाकात की तस्वीर नहीं आई है। आजम खां सपा में हैं और सपा में ही रहेंगे।

आजम खां के खिलाफ करीब सौ केस

सीतापुर की जेल में आजम खां 23 माह से बंद हैं। इस दौरान वह कभी भी रामपुर की कोर्ट में नहीं पहुंचे। उन पर सौ के आसपास केस दर्ज थे, जिनमें 12 में फैसला सुनाया जा चुका है।

इनमें पांच में सजा और सात में बरी कर दिया गया है। सूत्रों के अनुसार मौजूदा समय में 59 मामले सेशन कोर्ट, जबकि 19 मामले मजिस्ट्रेट कोर्ट में चल रहे हैं। भाजपा सरकार में सपा नेता आजम खां पर कई मामले दर्ज हुए थे। दो जन्म प्रमाण पत्र मामले में सजा मिलने के बाद सपा नेता आजम खां 18 अक्तूबर 2023 को जेल गए थे। उनके साथ उनकी पत्नी डॉ. तजीन फात्मा और बेटे अब्दुल्ला आजम भी गए थे। अभी तक कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। न तो बसपा प्रमुख की ओर से और न ही तजीन फात्मा की ओर से। सिर्फ चर्चाओं के आधार पर अटकलें लगाई जा रही हैं।

अजय सागर, जिलाध्यक्ष, रामपुर

बरेली बवालः 'अतीक–अशरफ की तरह मुझे गोली मार दो...

बरेली । बरेली में आई लव मोहम्मद के समर्थन में इत्तेहाद–ए–मिल्लत कौंसिल (आईएमसी) प्रमुख मौलाना तौकीर रजा खां के बुलावे पर शुक्रवार को जुटी भीड़ मौलाना के नदारद रहने से अराजक हो गई। बवालियों ने खलील स्कूल तिराहे के पास दुकानों व वाहनों में जमकर तोड़फोड़ की। नावल्टी चौराहा पर पुलिस टीम पर पथराव और श्यामगंज में फायरिंग की। डीआईजी अजय कुमार साहनी के मुताबिक, इसमें 22 पुलिसकर्मी घायल हुए हैं। आईएमसी प्रमुख मौलाना तौकीर रजा खां ने शुक्रवार रात 10:20 बजे वीडियो जारी कर कहा है कि अतीक और अशरफ की तरह मुझे गोली मार दो, मोहम्मद के नाम पर मरना कबूल है। उन्होंने कहा कि वह अब तक नजरबंद हैं। उन्होंने मुसलमानों को मुबारकबाद पेश करते हुए घटना को साजिश करार दिया।

मौलाना ने कहा कि मैं आशिकाने रसूल को मुबारकबाद पेश करता हूं। ऐसे खतरनाक समय में इश्क–ए रसूल के नाम पर आप लोग आए। हमने अमन का रास्ता इख्तियार किया था। मोहम्मद साहब के नाम को जो बार–बार अपमानित किया जा रहा है, उसके लिए सख्त कानून बनाया जाए।

'यह मामला जितना दबाया जाएगा, उतना ही उभरेगा'

मौलाना ने कहा कि "मैं वहां जाता, नमाज पढ़ता और ज्ञापन देकर लोगों को घर भेज देता, पर हमेशा की तरह मुझे हाउस अरेस्ट कर लिया"। उनके पीछे झूठे लेटरपैड पर उनके नाम से बयान जारी कर लोगों को गुमराह करने की कोशिश की गई। प्रशासन मुसलमानों को रसूल का नाम लेने की इजाजत नहीं दे रहा है। यह मामला जितना दबाया जाएगा, उतना ही उभरेगा।

मैं अभी तक नजरबंद हूं, गिरफ्तारी का भी है अंदेशा

मौलाना ने कहा कि मैं अभी तक नजरबंद हूं। बाहर निकलने नहीं दिया जा रहा है और अंदेशा है कि गिरफ्तार किया जाएगा। मोहम्मद के नाम पर जान देने के लिए तैयार हैं, लेकिन यह रवैया ठीक नहीं है। एकतरफा कार्रवाई बर्दाश्त नहीं होगी। मुसलमानों ने नहीं, पुलिस ने अमन को नुकसान पहुंचाने का काम किया है। मुसलमानों ने कोई पत्थर नहीं चलाया है। उन्होंने पुलिस–प्रशासन को बवाल का जिम्मेदार बताया। कहा कि दंगा नहीं हो सका तो पुलिस–प्रशासन ने मुसलमानों पर यह फसाद थोपा है। अगर मैं गिरफ्तार होता हूं तो भी मुल्क के लिए, शहर के लिए और कौम के लिए ऐसे काम करता रहूंगा।

बरेली में बवालः पथराव–फायरिंग में 22 पुलिसकर्मी घायल, 30 आरोपी हिरासत में

बरेली में आई लव मोहम्मद के समर्थन में इत्तेहाद–ए–मिल्लत कौंसिल (आईएमसी) प्रमुख मौलाना तौकीर रजा खां के बुलावे पर शुक्रवार को जुटी भीड़ मौलाना के नदारद रहने से अराजक हो गई। बवालियों ने खलील स्कूल तिराहे के पास दुकानों व वाहनों में जमकर तोड़फोड़ की। नावल्टी चौराहा पर पुलिस टीम पर पथराव और श्यामगंज में फायरिंग की।

डीआईजी अजय कुमार साहनी के मुताबिक, इसमें 22 पुलिसकर्मी घायल हुए हैं। भीड़ को तितर–बितर करने के लिए पुलिस ने आंसू गैस के गोले दागे। लाठीचार्ज भी किया। डीआईजी ने कहा कि शाम पांच बजे स्थति काबू में आई। पुलिस 30 लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है।

मौलाना ने 19 सितंबर को किया था एलान

आई लव मोहम्मद के समर्थन में मौलाना तौकीर रजा ने 19 सितंबर को एलान किया था कि शुक्रवार को वह इस्लामिया इंटर कॉलेज मैदान में विरोध–प्रदर्शन करेंगे। इसके बाद कलक्ट्रेट जाकर राष्ट्रपति के नाम संबोधित सापन डीएम को सौंपेंगे। इसके लिए पुलिस–प्रशासन ने कोई अनुमति नहीं दी थी। बृहस्पतिवार रात 12 बजे अधिकारियों ने आईएमसी की ओर से जारी पत्र को सार्वजनिक किया था। इसमें कार्यक्रम स्थगित किए जाने की जानकारी दी गई थी।

पथराव–फायरिंग में 22 पुलिसकर्मी घायल

बरेली। बरेली में जुमे की नमाज के बाद करीब तीन घंटे तक बवाल हुआ। शहर के अलग–अलग इलाकों में भीड़ जुटी। बेकाबू हुई भीड़ ने पथराव और फायरिंग की। पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा। घटना में 22 पुलिसकर्मी घायल हुए हैं। कुछ लोगों के भी घायल होने की खबर है। पुलिस ने अब तक 39 आरोपियों को हिरासत में लिया है। आठ की गिरफ्तारी हुई है।

बरेली में आई लव मोहम्मद के समर्थन में इत्तेहाद–ए–मिल्लत कौंसिल (आईएमसी) प्रमुख मौलाना तौकीर रजा खां के बुलावे पर शुक्रवार को जुटी भीड़ मौलाना के नदारद रहने से अराजक हो गई। बवालियों ने खलील स्कूल तिराहे के पास दुकानों व वाहनों में जमकर तोड़फोड़ की।

नावल्टी चौराहा पर पुलिस टीम पर पथराव और श्यामगंज में फायरिंग की। डीआईजी अजय कुमार साहनी के मुताबिक, इसमें 22 पुलिसकर्मी घायल हुए हैं।

भीड़ को खदेड़ने के लिए पुलिस ने आंसू गैस के गोले दागे। लाठीचार्ज भी किया। डीआईजी ने कहा कि शाम पांच बजे स्थति काबू में आई। पुलिस ने 39 लोगों को हिरासत में लिया है। आठ लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

मौलाना ने 19 सितंबर को किया था एलान

आई लव मोहम्मद के समर्थन में मौलाना तौकीर रजा ने 19 सितंबर को एलान किया था कि शुक्रवार को वह इस्लामिया इंटर कॉलेज मैदान में विरोध–प्रदर्शन करेंगे।

इसके बाद कलक्ट्रेट जाकर राष्ट्रपति के नाम संबोधित सापन डीएम को सौंपेंगे। इसके लिए पुलिस–प्रशासन ने कोई अनुमति नहीं दी थी। बृहस्पतिवार रात 12 बजे अधिकारियों ने आईएमसी की ओर से जारी पत्र को सार्वजनिक किया था। इसमें कार्यक्रम स्थगित किए जाने की जानकारी दी गई थी। वहीं, शुक्रवार सुबह मौलाना तौकीर ने वीडियो जारी कर रात में जारी पत्र को फर्जी बताया। दावा किया कि विरोध–प्रदर्शन पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुरूप ही होगा। उनके बुलावे पर शहर में भीड़ जुटी, पर अपराह्न साढ़े तीन बजे तक मौलाना का कोई पता न चला। तब मौलाना के समर्थकों ने हंगामा शुरू कर दिया।

डॉक्टर की दुकान के शीशे तोड़े

नौमहला मस्जिद पर हंगामा व नारेबाजी शुरू हुई तो डीआईजी अजय साहनी व एसपी सिटी मानुष पारीक वहां पहुंचे। उनके समझाने पर भीड़ वहां से हटी तो बिहारीपुर में खलील स्कूल तिराहे के पास स्थिति बेकाबू हो गई।

उग्र युवकों ने एक डॉक्टर की दुकान के शीशे और बाहर खड़ी दो बाइकें तोड़ दीं। भीड़ को हावी होता देख पुलिस ने लाठीचार्ज कर दिया। इसके बाद शाम पांच बजे तक जगह–जगह उपद्रवियों और पुलिसकर्मियों के बीच झड़प होती रही।

पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़कर खदेड़ा

इससे पहले श्यामगंज में भी भीड़ बेकाबू हो गई। पथराव और फायरिंग की नौबत आई तो पुलिस ने लाठीचार्ज कर दिया। नावल्टी चौराहा पर आंसू गैस के गोले छोड़कर भीड़ को खदेड़ा गया। एसएसपी ने खुद माइक संभाला। लोगों से घर जाने की अपील की। पुलिस शहर में बवाल भड़काने के लिए मौलाना व उनके सहयोगियों पर कानूनी शिकंजा कसने की रूपरेखा बना रही है।

बवाल से प्रभावित इलाके

बिहारीपुर, श्यामगंज, कुतुबखाना, इस्लामिया मार्केट, मैलानी मार्केट, कोहाड़ापीर, आलमगिरीगंज, बांस मंडी, सिविल स्वयंस, साहूकारा और पुराना बस अड्डा।

बवाल में कुछ लोगों के घायल होने की आशंका

कुछ लोगों के घायल होने की आशंका है लेकिन उनकी संख्या के बारे में कोई आधिकारिक आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं। हालांकि तस्वीरों में टूटे हुए शीशे बिखरे हुए जूते और सड़कों पर पत्थर पड़े थे।

इस्लामिया इंटर कॉलेज मैदान जाने पर अड़ी थी भीड़

जैसे ही भीड़ ने इस्लामिया इंटर कॉलेज मैदान की ओर मार्च करने का प्रयास किया, पुलिस ने उन्हें खलील तिराहा पर रोकने की कोशिश की। इसके कारण प्रदर्शनकारियों ने पथराव किया और वाहनों और दुकानों में तोड़फोड़ की, जिससे भगदड़ जैसी स्थिति पैदा हो गई। जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने बताया कि स्थिति अब नियंत्रण में है। किसी भी अप्रिय घटना की सूचना नहीं है। हम लोगों से शांति और सद्भाव बनाए रखने की अपील कर रहे हैं।

एआर रहमान को दिल्ली हाईकोर्ट से मिली राहत

वीरा राजा वीरा' गाने के कापीराइट मामले को किया रद्द

एंटरटेनमेंट डेस्क। अल्लाह रक्खा रहमान उर्फ एआर रहमान को दिल्ली हाई कोर्ट से राहत मिल चुकी है। कोर्ट ने रहमान के ऊपर से शिव स्तुति की धुन चुराने का मामला खारिज कर दिया है। दिल्ली हाईकोर्ट ने तमिल फिल्म 'पोन्नियिन सेलवन 2' के गाने 'वीरा राजा वीरा' को लेकर दायर कॉपीराइट उल्लंघन के मामले में संगीतकार एआर रहमान के पक्ष में फैसला सुनाया है। कोर्ट ने इस गाने के खिलाफ दायर मुकदमे को रद्द कर दिया है।

क्या है मामला गायक फैयाज वसीफुद्दीन डागर ने दावा किया था कि 'वीरा राजा वीरा' गाना उनके पिता नासिर फैयाजुद्दीन डागर और चाचा जहीरुद्दीन डागर की रचना 'शिव स्तुति' से कॉपी किया गया है। उन्होंने कहा कि गाने के बोल अलग हैं, लेकिन ताल, लय और संगीत की बनावट 'शिव स्तुति' जैसी है, जिसे डागर बंधुओं ने दुनिया भर में प्रस्तुत किया था और पैन रिकॉर्ड्स के एल्बम में शामिल किया गया था। न कि यह गाना फिल्म पोनियिन सेलवन 2 का है, जिसे दगर बंधुओं की रचना 'शिव स्तुति' से मिलता-जुलता बताया गया।

कस्टम की रेड में फंसे अमित

एंटरटेनमेंट डेस्क। इन दिनों अभिनेता अमित चकलक्कल विवादों में हैं। उनके यहां छापेमारी में कई लक्जरी कारें जब्त की गई हैं। इस पर उन्होंने प्रतिक्रिया दी है। हाल ही में अभिनेता अमित चकलक्कल के आवास पर कस्टम डिपार्टमेंट ने छापा मारा था। उनके यहां से कई लक्जरी कारें जब्त की गईं थीं। इस मामले में अभिनेता ने बुधवार को कहा कि उनके यहां जितनी कारें जब्त की गईं थीं, उनमें से उनकी सिर्फ एक कार थी। जिन कारों को उनकी कार बताया जा रहा है वह दूसरों की हैं।

अमित चकलक्कल की सफाई

केरल के कोच्चि में अभिनेता ने मीडिया को बताया कि उनकी 20 साल पुरानी सेकेंड हैंड लैंड क्रूजर कार ही उनकी एकमात्र गाड़ी है, जिसका वह पिछले पांच साल से इस्तेमाल कर रहे थे। उन्होंने कहा 'मेरे आवास और वर्कशॉप से जब्त की गई बाकी महंगी कारें दूसरों की थीं, जो उन्हें मरम्मत या नवीनीकरण के लिए मेरे पास लाए थे। मेरे परिसर से जब्त की गई कुल सात गाड़ियों में से सिर्फ एक ही मेरी थी।'

पहले दिए थे दस्तावेज

उन्होंने यह भी कहा कि कस्टम डिपार्टमेंट ने पिछले साल नवंबर में इन वाहनों के संबंध में उन्हें तलब किया था। उन्होंने उस समय सभी संबंधित दस्तावेज उपलब्ध करा दिए थे। उसके बाद एजेंसी द्वारा कोई दूसरा कदम नहीं उठाया गया। उन्होंने कहा 'कल वे तलाशी के लिए आए और मैंने उन्हें फिर से सभी दस्तावेज उपलब्ध करा दिए। अब वे दस्तावेजों की जांच करेंगे।'

कई अभिनेताओं के यहां मारे गए छापे

कस्टम प्रिवेंटिव विंग के अधिकारियों ने केरल में कई स्थानों पर छापे मारे थे, ताकि भूटान से अवैध रूप से भारत लाए गए उच्च-स्तरीय लक्जरी वाहनों का पता लगाया जा सके और उन्हें जब्त किया जा सके। पृथ्वीराज सुकुमारन, दुलकर सलमान और अमित चकलक्कल के आवासों सहित लगभग 30 स्थानों पर तलाशी ली गई। इस दौरान 36 महंगी लग्जरी कारें जब्त की गईं।

स्टारडम को लेकर खोले राज

बॉलीवुड की फेमस एक्ट्रेसेज में से एक हैं। ओटीटी की सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री के तौर पर उनको पहचाना जाता है। हाल ही में सुरवीन ने सिनेमा जगत में मिले स्टारडम को लेकर खुलकर बात की है और बताया है कि इसका उनकी निजी जिंदगी पर क्या प्रभाव पड़ता है।

एंटरटेनमेंट डेस्क। ओटीटी की सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री के बारे में जिक्र किया जाए तो उसमें सुरवीन चावला का नाम सबसे पहला आता है। 41 वर्षीय सुरवीन ने सिनेमा जगत में अपनी बेहतरीन अदाकारी का जलवा कायम रखा है। यही कारण है जो उन्हें काफी शोहरत भी मिली है। इसी स्टारडम को लेकर हाल ही में सुरवीन चावला ने खुलकर बात की है और करियर में मिले मौकों को किसी चमत्कार से कम नहीं बताया है।

अभिनय की दुनिया में स्टारडम मिलने के बाद वह चीजें दूर हो जाती हैं, जो आम जिंदगी में करना आसान था। मंडला मर्डर्स, राणा नायडू जैसी बड़ी वेब सीरीज का अहम हिस्सा रहीं सुरवीन चावला हालांकि स्टारडम और उन्हें मिले मौकों को किसी चमत्कार से कम नहीं मानती हैं। वह कहती हैं–

हर दिन किसी चमत्कार से कम नहीं है। जब किसी शो या फिल्म की शूटिंग पूरी करती हूं, तो हर बार अहसास होता है कि मैं कहां से कहां तक पहुंची हूं। आभार व्यक्त करती हूं। मेरे लिए अभिनय की यह दुनिया जादुई है। यकीन नहीं होता है कि इस इंडस्ट्री में 20 साल हो गए हैं। कम उम्र में इस इंडस्ट्री में कदम रखा था। हर दिन जब भी सेट पर आती हूं, तो वह पहले दिन जैसा होता है। यह काम विशेषाधिकार वाला है।

एक जिम्मेदारी महसूस होती है, जहां कलाकार बनने का सपना देखने वाले युवा आपको फॉलो करना चाहते हैं। बतौर कलाकार आप में वह पावर होती है कि आप अपने आस-पास की दुनिया को प्रेरित कर सकते हैं। युवाओं की प्रेरणा बन सकते हैं। अपने कंटेंट के जरिए अपनी और दुनिया की बात कह सकते हैं। कई बार मैंने लोगों को कहते सुना है कि स्टारडम मिलने पर आजादी छिन जाती है या स्टारडम एक कीमत पर मिलती है। मुझसे स्टारडम कुछ भी लेकर नहीं गया, बल्कि काफी कुछ दे गया है।

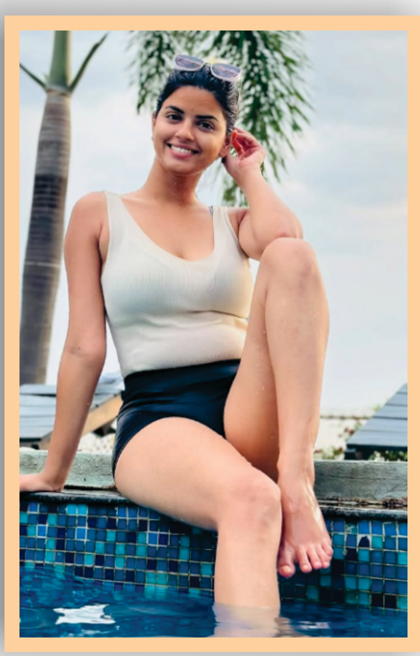

इस मूवी में दिखेंगी सुरवीन

मंडाला मर्डर्स जैसी बेहतरीन थ्रिलर से ऑडियंस का दिल जीतने वाली सुरवीना चावला आने वाले समय में कॉमेडी फिल्म प्लान बी में नजर आएंगी। माना ये भी जा रहा है कि नेटफ्लिक्स सीरीज मंडाला मर्डर्स के सीजन 2 में भी अभिनेत्री दोबारा से नजर आ सकती हैं। हालांकि, इसके बारे में अभी आधिकारिक पुष्टि होना अभी बाकी है।

'माई नेम इज खान' से लेकर 'वीर जारा तक', यह हैं नेशनल अवार्ड विजेता शाहरुख की बेहतरीन फिल्में

एंटरटेनमेंट डेस्क। शाहरुख खान ने हाल ही में अपना पहला नेशनल अवॉर्ड जीता है। ऐसे में हम यहां उनकी कुछ खास फिल्मों का जिक्र कर रहे हैं।शाहरुख खान को हाल ही में फिल्म 'जवान' के लिए पहला नेशनल अवॉर्ड दिया गया है। उन्होंने भारतीय सिनेमा को कई बेहतरीन फिल्में दी हैं। हर रोल में उनकी गहराई, ईमानदारी और भावना ने उन्हें सुपरस्टार बनाया है। उन्होंने फिल्मों में हर तरह के रोल से दर्शकों का दिल जीता है। यहां हम उनकी कुछ फिल्मों का जिक्र कर रहे हैं, जिनके बारे में जाकर आपको लगेगा कि उन्हें क्यों बॉलीवुड का किंग कहा जाता है। शाहरुख खान ने फिल्म 'स्वदेश (2004)' में मोहन भार्गव का किरदार निभाया है। वह नासा में काम करते हैं और एक एनआरआई हैं। वह अपनी नानी की तलाश में भारत वापस आते हैं। अपनी नानी को ढूंढने के लिए वह भारत के ग्रामीण इलाकों की यात्रा करते हैं। इस दौरान वह भारत की परेशानियों को देखते हैं। ऐसे में वह अपने देश में रहने का फैसला करते हैं। फिल्म में शाहरुख ने इस किरदार को इतने अच्छे से निभाया है कि यह वास्तविक लगता है।

माई नेम इज खान

इस फिल्म में, शाहरुख ने रिजवान खान का किरदार निभाया है, जो एसपर्ज सिंड्रोम से पीड़ित एक व्यक्ति है। वह राष्ट्रपति से मिलने के लिए पूरे अमेरिका की यात्रा करते हैं। शाहरुख ने इस किरदार को बड़ी ही खूबसूरती से निभाया है। रिजवान की बहादुरी, ईमानदारी और मासूमियत

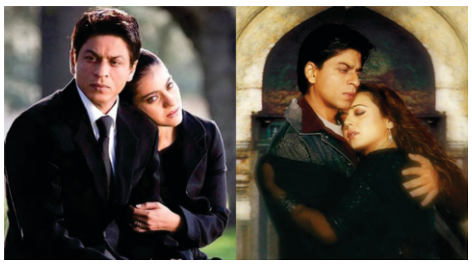

के साथ-साथ उसके चेहरे के हाव-भाव, बॉडी लैंग्वेज और आवाज की टोन को भी बखूबी दर्शाया है।

चक दे! इंडिया

यह फिल्म खेल पर आधारित है। यह महिला सशक्तिकरण, टीम वर्क और आत्मसम्मान के बारे में भी है। शाहरुख खान ने कबीर खान की भूमिका निभाई है, जो एक पूर्व हॉकी खिलाड़ी हैं। उन्हें भारतीय महिला हॉकी टीम का कोच बनने का दूसरा मौका मिलता है। उनका किरदार सख्त और बेहद भावुक है। आप उनकी आंखों में हर भावना को देख सकते हैं।

डियर जिंदगी

शाहरुख खान के सबसे बेहतरीन किरदारों में से एक है डॉ. जहांगीर खान की भूमिका। फिल्म में वह एक बुद्धिमान और शांत चिकित्सक हैं। वह 'डियर जिंदगी' में कायरा नाम की एक युवा लड़की को उसकी भावनात्मक कठिनाइयों से उबरने में मदद करते हैं। फिल्म में कोई नाटकीय दृश्य नहीं हैं। इसमें छोटी लेकिन गहरी बातचीत हैं, जिनका गहरा प्रभाव पड़ता है। फिल्म में वह मुख्य किरदार नहीं हैं, फिर भी वे हमेशा पर्दे पर ज्ञान की बात करते हैं।

वीर-जारा

'वीर-जारा' में शाहरुख भारतीय वायु सेना के एक अधिकारी वीर प्रताप सिंह का किरदार निभाते हैं।

उन्हें सीमा पार रहने वाली जारा नाम की एक लड़की से प्यार हो जाता है। फिल्म में दिखाया गया है कि शाहरुख अपने प्यार के लिए अपना सब कुछ कुर्बान कर देते हैं। वह 22 साल कैद में रहते हैं। जारा के प्रति सम्मान के कारण शाहरुख का यह किरदार कभी नहीं भुलाया जा सकेगा।

'स्त्री' लान्च करेगी 'थामा' का ट्रेलर, बांद्रा फोर्ट में होगी खास अनाउंसमेंट

एंटरटेनमेंट डेस्क। हॉरर-कॉमेडी यूनिवर्स की आगामी फिल्म 'थामा' को लेकर मेकर्स ने एक बड़ी अपडेट जारी की है। जिसके बाद अब फैंस फिल्म के लिए और भी उत्साहित हो गए हैं। आयुष्मान खुराना और रश्मिका मंदाना की आगामी फिल्म 'थामा' को लेकर लोगों में काफी उत्साह है। फैंस इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। अब

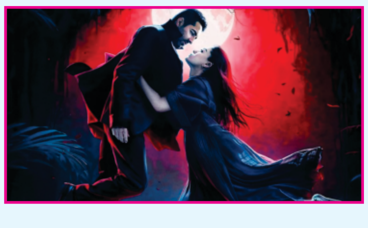

मेकर्स ने हॉरर-कॉमेडी यूनिर्स की अपनी अगली फिल्म को लेकर एक बड़ा अपडेट दिया है। जानिए क्या है वो अपडेट?

स्त्री ला रही है बड़ा 'थामाका'

मैडॉक फिल्म्स ने 'थामा' को लेकर अपने इंस्टाग्राम पर आज एक बड़ी जानकारी साझा की है। मेकर्स ने फैंस में फिल्म को लेकर उत्सुकता बढ़ाते हुए बताया है कि परसों यानी कि 26 सितंबर को शाम पांच बजे मुंबई के बांद्रा फोर्ट में एक इवेंट किया जाएगा। जिसमें इस यूनिवर्स का सबसे पॉपुलर कैरेक्टर स्त्री भी आएगा। मेकर्स ने पोस्ट करते हुए कैप्शन में लिखा है, 'स्त्री आ रही है और अपने साथ एक बड़ा 'ज्ञ।डड ।ज्ञ।' ला रही है।' हालांकि, मेकर्स ने ये साफ नहीं किया है कि वो क्या करने वाले हैं। लेकिन ऐसी उम्मीद जताई जा रही है कि मेकर्स 'थामा' का ट्रेलर लॉन्च कर सकते हैं।

इंग्लैंड दौरे से कितनी अलग है विंडीज टेस्ट सीरीज के लिए टीम

करुण–पंत की जगह इन खिलाड़ियों ने ली

स्पोर्ट्स डेस्क। इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की सीरीज के लिए गई भारतीय टीम की तुलना में विंडीज सीरीज के लिए भारतीय टीम में बदलाव हुए हैं। चयनकर्ताओं को कुछ बदलाव इसलिए करने पड़े क्योंकि पंत अपनी चोट से पूरी तरह नहीं उबर सके, जबकि करुण नायर को दोबारा मौका नहीं मिलना उम्मीद के अनुरूप ही है।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने वेस्टइंडीज के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए 15 सदस्यीय भारतीय टीम का एलान कर दिया है। भारत और वेस्टइंडीज के बीच सीरीज की

शुरुआत दो अक्तूबर से होगी। भारत इस सीरीज में शुभमन गिल की अगुआई में खेलने उतरेगा, जबकि चयनकर्ताओं ने रवींद्र जडेजा के रूप में नया उपकप्तान चुना है। इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की सीरीज के लिए गई भारतीय टीम की तुलना में विंडीज के लिए टीम में बदलाव हुए हैं।

चयनकर्ताओं को कुछ बदलाव इसलिए करने पड़े क्योंकि पंत अपनी चोट से पूरी तरह नहीं उबर सके, जबकि करुण नायर को दोबारा मौका नहीं मिलना उम्मीद के अनुरूप ही है। इंग्लैंड दौरे के लिए तीन प्रकार की टीम चुनी गई थी। पहले तीन मैचों के लिए 19 सदस्यीय खिलाड़ी थे, जबकि चौथे टेस्ट के लिए 17 और पांचवें टेस्ट के लिए 18 सदस्यीय खिलाड़ी टीम में शामिल थे। पंत की अनुपस्थिति में जुरेल विकेटकीपिंग का जिम्मा संभालेंगे और दूसरे विकेटकीपर के तौर पर जगदीशन होंगे। वहीं, करुण की जगह देवदत्त पडिक्कल को टीम में स्थान मिला है।

इंग्लैंड के खिलाफ कौन–कौन था शामिल

इंग्लैंड के खिलाफ पहले तीन टेस्ट के लिए अभिमन्यु ईश्वरन, शुभमन गिल, साई सुदर्शन, यशस्वी जायसवाल, करुण नायर, नीतीश रेड्डी, रवींद्र जडेजा, वाशिंगटन सुंदर, शार्दुल ठाकुर, ऋषभ पंत, केएल राहुल, ध्रुव जुरेल, मोहम्मद सिराज, जसप्रीत बुमराह, प्रसिद्ध कृष्णा, कुलदीप यादव, हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह और आकाश दीप को टीम में शामिल किया गया था। इनमें से कुछ खिलाड़ी स्टैंडबाई के तौर पर टीम से जुड़े थे।

वहीं, इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टेस्ट के लिए भारतीय टीम में शुभमन गिल, यशस्वी जायसवाल, साई सुदर्शन, अभिमन्यु ईश्वरन, करुण नायर, रवींद्र जडेजा, वाशिंगटन सुंदर, शार्दुल ठाकुर, अंशुल कंबोज, पंत, केएल, जुरेल, बुमराह, सिराज, प्रसिद्ध, आकाश दीप और कुलदीप जैसे खिलाड़ी शामिल थे। लेकिन पांचवें टेस्ट के लिए गिल, यशस्वी, साई, ईश्वरन, करुण, जडेजा, वाशिंगटन, शार्दुल, कंबोज, केएल, जुरेल, जगदीशन, बुमराह, सिराज, प्रसिद्ध, आकाश, कुलदीप और अर्शदीप टीम में शामिल थे।

किन खिलाड़ियों को दोनों सीरीज में मिला मौका

भारत के 12 खिलाड़ी ऐसे हैं जो इंग्लैंड दौरे पर भी टीम में शामिल थे और इन्हें वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज के लिए भी मौका दिया गया है। इन खिलाड़ियों में गिल, यशस्वी, केएल राहुल, सुदर्शन, ध्रुव जुरेल, जडेजा, वाशिंगटन, बुमराह, नीतीश रेड्डी, सिराज, प्रसिद्ध और कुलदीप यादव शामिल हैं। इंग्लैंड दौरे पर शामिल रहे करुण, पंत, शार्दुल, अर्शदीप, आकाश दीप, हर्षित, कंबोज और अभिमन्यु को वेस्टइंडीज दौरे के लिए नहीं चुना गया है। इनमें से हर्षित, कंबोज, अर्शदीप और पंत सभी पांच मैच के लिए टीम में शामिल नहीं थे। पंत को चोट के कारण आखिरी मैच के लिए टीम से रिलीज किया गया था। वहीं, हर्षित सिर्फ पहले तीन मैच के लिए टीम में थे, जबकि कंबोज चौथे और पांचवें टेस्ट के लिए टीम से जुड़े थे और अर्शदीप चौथे मैच को छोड़कर शेष अन्य मैचों के लिए टीम में थे।

वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय टीम इस प्रकार है...

शुभमन गिल (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, साई सुदर्शन, देवदत्त पडिक्कल, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), रवींद्र जडेजा (उपकप्तान), वाशिंगटन सुंदर, जसप्रीत बुमराह, अक्षर पटेल, नीतीश कुमार रेड्डी, एन जगदीशन (विकेटकीपर), मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, कुलदीप यादव।

एशिया कप में चमक बिखेर रहे अभिषेक शर्मा

स्पोर्ट्स डेस्क। अभिषेक का बल्ला एशिया कप में काफी चमक रहा है और वह अब तक पांच मैचों में 248 रन बना चुके हैं जिसमें दो अर्धशतक शामिल हैं। अभिषेक ने शुभमन गिल के साथ मिलकर भारत को तेज शुरुआत दिलाई है और वह लगातार टीम के लिए अच्छी पारी खेल रहे हैं। भारतीय टीम के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा एशिया कप में भारतीय टीम के लिए दमदार प्रदर्शन कर रहे हैं। अभिषेक ने पाकिस्तान और बांग्लादेश के खिलाफ सुपर चार चरण मैच में लगातार दो अर्धशतक जड़कर शीर्ष क्रम पर दावा मजबूत कर लिया है। अभिषेक अब अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में जाना पहचाना नाम बन गए हैं, लेकिन उनके लिए इस स्तर पर पहुंचना आसान नहीं रहा।

टीम को दिला रहे मजबूत शुरुआत

अभिषेक का बल्ला एशिया कप में काफी चमक रहा है और वह अब तक पांच मैचों में 248 रन बना चुके हैं जिसमें दो अर्धशतक शामिल हैं। अभिषेक ने शुभमन गिल के साथ मिलकर भारत को तेज शुरुआत दिलाई है और वह लगातार टीम के लिए अच्छी पारी खेल रहे हैं। अभिषेक ने मौजूदा टूर्नामेंट में यूएई के खिलाफ 30, पाकिस्तान के खिलाफ 31, ओमान के खिलाफ 38, पाकिस्तान के खिलाफ 74 और बांग्लादेश के खिलाफ 75 रनों की पारी खेली है। अपने इस शानदार प्रदर्शन के दम पर ही अभिषेक टी20 रैंकिंग में नंबर एक बल्लेबाज बन गए हैं।

आईपीएल से कमाया नाम

27 मार्च 2024 की शाम थी। रोशनी से जगमगाते हैदराबाद के राजीव गांधी इंटरनेशनल स्टेडियम में जब सनराइजर्स ने मुंबई इंडियंस का सामना किया, तो दर्शकों की नजरें पहले ट्रेविस हेड पर टिकी थीं। हेड ने महज 18 गेंदों पर अर्धशतक लगाया, लेकिन असली आतिशबाजी तब हुई जब पंजाब के अमृतसर से आए बाएं हाथ के बल्लेबाज अभिषेक शर्मा मैदान पर उतरे। सिर्फ 23 गेंदों में सात छक्के और तीन चौकों से मुंबई के दिग्गज गेंदबाजों को चारों खाने चित कर दिया। उनकी इस धुआंधार पारी ने न सिर्फ मैच का रुख बदल दिया बल्कि उन्हें देशभर की सुर्खियों में ला खड़ा किया। बाएं हाथ के आक्रामक बल्लेबाज और उपयोगी स्पिनर के रूप में अपनी पहचान बनाने वाले अभिषेक का करियर अब तक शानदार उपलब्धियों से भरा रहा है। हालांकि, भारतीय टीम तक का सफर इतना आसान नहीं रहा है। उन्हें कई चुनौतियों और संघर्षों का सामना करना पड़ा है।

अमृतसर की गलियों से क्रिकेट की ओर सफर

अभिषेक शर्मा का जन्म चार सितंबर 2000 को पंजाब के अमृतसर में हुआ। वे तीन भाई–बहनों में सबसे छोटे हैं। उनके पिता राजकुमार शर्मा खुद पंजाब के लिए लेफ्ट–आर्म स्पिनर रह चुके हैं। 1985–86 में अंडर–22 विजय हजारे ट्रॉफी के फाइनल तक उन्होंने टीम का हिस्सा रहते हुए क्रिकेट खेला। मगर परिस्थितियों ने उनका करियर रोक दिया। दुबई जाकर भी सफलता नहीं मिली तो वे लौटकर बैंक ऑफ इंडिया के लिए खेले और बाद में अमृतसर गेम्स एसोसिएशन के कोच और सेलेक्टर बने। पिता का अधूरा सपना बेटे में पूरा करने का निश्चय उन्होंने किया और यही जुनून अभिषेक की नसों में दौड़ा। महज तीन साल की उम्र में जब बच्चों के खिलौने हाथ में होते हैं, तब अभिषेक प्लास्टिक के बल्ले से शॉट खेलने लगे।

वेस्टइंडीज सीरीज के लिए भारतीय टीम का एलान

स्पोर्ट्स डेस्क। वेस्टइंडीज के खिलाफ अगले महीने होने वाली दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए गुरुवार को भारतीय टीम का एलान हो गया है। भारतीय टीम इस सीरीज में शुभमन गिल की अगुआई में उतरेगी, जबकि रवींद्र जडेजा उपकप्तान होंगे। वेस्टइंडीज के खिलाफ अगले महीने होने वाली दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए गुरुवार को भारतीय टीम का एलान हो गया है। भारतीय टीम इस सीरीज में शुभमन गिल की कप्तानी में खेलने उतरेगी, जबकि रवींद्र जडेजा को उपकप्तान बनाया गया है। भारत और वेस्टइंडीज के बीच दो अक्तूबर को दो मैचों की सीरीज का पहला मुकाबला अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा। इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की सीरीज के बाद पहली बार भारतीय टीम टेस्ट मैच खेलने उतरेगी।

पंत की अनुपस्थिति में जुरेल संभालेंगे विकेटकीपिंग का जिम्मा

वेस्टइंडीज के खिलाफ ध्रुव जुरेल विकेटकीपिंग का जिम्मा संभालेंगे। टीम के अनुभवी विकेटकीपर ऋषभ पंत चोट से पूरी तरह उबर नहीं सके हैं जिस कारण उनका इस सीरीज के लिए उनका चयन नहीं किया गया है। पंत इंग्लैंड दौरे पर उपकप्तानी का जिम्मा भी संभाल रहे थे और उनकी अनुपस्थिति में अब यह जिम्मेदारी रवींद्र जडेजा को सौंपी गई है। यह पहले से ही तय माना जा रहा था कि पंत वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज का हिस्सा नहीं होंगे। ऐसे में जुरेल पर जिम्मेदारी होगी जिन्होंने इंग्लैंड दौरे पर भी पंत की अनुपस्थिति में विकेट के पीछे जिम्मेदारी निभाई थी। विकेटकीपर के तौर पर जुरेल पहली पसंद हैं, जबकि बैकअप के तौर पर एन जगीदशन को भी टीम में जगह दी गई है।

बुमराह को नहीं दिया गया आराम

एशिया कप में भारतीय तेज गेंदबाजी आक्रामण की अगुआई कर रहे जसप्रीत बुमराह को वेस्टइंडीज के खिलाफ आराम नहीं दिया गया है। इंग्लैंड दौरे पर बुमराह के कार्यभार प्रबंध का ध्यान रखा गया था और उन्होंने पांच में से सिर्फ तीन मैच ही खेले थे। इसे देखते हुए माना जा रहा था कि व्यस्त अंतराष्ट्रीय कार्यक्रम के मद्देनजर बुमराह को इस सीरीज से आराम मिल सकता है, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। इस बात की भी पूरी संभावना है कि बुमराह प्लेइंग–11 का हिस्सा होंगे। वहीं, उनके साथ मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा तेज गेंदबाजी का जिम्मा संभालेंगे।

करुण बाहर, सरफराज को नहीं मिली जगह

इंग्लैंड दौरे से आठ साल बाद भारतीय टीम में जगह बनाने वाले करुण नायर को वेस्टइंडीज के खिलाफ टीम में जगह नहीं दी गई है। इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में उम्मीद के अनुरूप प्रदर्शन नहीं कर सके थे। इंग्लैंड के खिलाफ ओवल पर आखिरी टेस्ट में अर्धशतक जमाने वाले करुण ने सभी पारियों में अच्छी शुरुआत की। वह खराब फॉर्म में नहीं थे लेकिन ज्यादा रन नहीं बना सके। इसके बाद उनकी अंगुली में चोट लग गई और वह दलीप ट्रॉफी नहीं खेल सके। दूसरी ओर, सरफराज खान को एक बार फिर टेस्ट टीम में जगह नहीं दी गई है। सरफराज पिछले कुछ समय से अपनी फिटनेस पर भी काम कर रहे थे और उन्होंने घरेलू क्रिकेट में रन बनाए थे, लेकिन चयनकर्ताओं ने इस सीरीज के लिए उन्हें नहीं चुना है।

श्रेयस अय्यर ने लाल गेंद के प्रारूप से लिया ब्रेक

वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज के लिए टीम के एलान से पहले बीसीसीआई ने इस बात की पुष्टि कर दी थी कि श्रेयस अय्यर ने लाल गेंद के प्रारूप से छह महीने का ब्रेक लिया है। संभवतः इसी कारण चयनकर्ताओं ने श्रेयस के नाम पर विचार नहीं किया होगा। बीसीसीआई ने बताया था कि श्रेयस की ब्रिटेन में सर्जरी हुई थी और वह इससे उबर रहे हैं। हाल ही में लाल गेंद के मैच में खेलने के दौरान उन्हें दिक्कतें हो रही थी। श्रेयस चाहते हैं कि इस पीरियड को वह अपनी फिटनेस को ठीक करने के लिए लगाएं। श्रेयस के फैसले को देखते हुए बीसीसीआई ने ईरानी कप के लिए उनका चयन नहीं किया है।

दी नेक्स्ट पोस्ट

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक बृजेन्द्र कुमार द्वारा फाइन ऑफसेट प्रिन्टर्स मदरसा हुसैनिया बिल्डिंग बक्सीपुर गोरखपुर से मुद्रित एवं 665 बी गंगा टोला, निकट जानकी बिल्डिंग मैटेरियल बसारतपुर पश्चिमी, गोरखपुर से प्रकाशित।
पिनः– 273003

UPHIN/2023/90814

बृजेन्द्र कुमार
मो. नं. 7307180148,9170772370
Email- thenextpost01@gmail.com

नोटः– समाचार पत्र से सम्बन्धित सभी वाद–विवाद गोरखपुर जिला न्यायालय के अन्तर्गत मान्य होंगे।